वर्ष-10, अंक-199
इन्दौर, मंगलवार
15 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

इंदौर के विकास में लिखा गया स्वर्णिम इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक ही दिन में एक साथ लगभग 222 करोड़ रुपये लागत के चार फ्लाय ओव्हर्स का किया लोकार्पण

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। इंदौर के विकास के क्षेत्र में आज स्वर्णिम इतिहास लिखा गया। आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक ही दिन में एक साथ लगभग 222 करोड़ रुपये लागत के चार फ्लाय ओव्हर्स का लोकार्पण किया। यह पहली बार हो रहा है जब इंदौर में एक ही दिन में एक साथ चार फ्लाय ओव्हर्स का लोकार्पण हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फूटी कोठी सहित भंवरकुंआ, खजराना और लवकुश चौराहे के फ्लाय ओव्हर्स का लोकार्पण किया। उक्त चारों फ्लाय ओव्हर्स इंदौर के आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने में मददगार होंगे। फ्लाय ओव्हर्स के प्रारंभ होने से इंदौर के लाखों नागरिकों को सुगम एवं आबाध आवागमन की सुविधा मिलेगी। फूटी कोठी फ्लाय ओव्हर का नाम प्रसिद्ध संत श्री सेवालाल जी महाराज के नाम पर किया गया है। इसी तरह घोषणा की गई कि फूटी कोठी चौराहा का नाम संत सेवालाल चौराहा किया जायेगा। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्री महेन्द्र हार्डिया तथा श्री मनोज पटेल, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, श्री गौरव रणदिवे, श्री चिन्टू वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे। फूटी कोठी में आयोजित फ्लाय ओव्हर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास को नई

गति देकर विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास के सभी अवरोधों को हटाकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदौर का चहुमुखी विकास और यातायात सुधार हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि इंदौर के किसी भी चौराहे पर यातायात बाधित नहीं हो और वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने इंदौर की यातायात संबंधी परेशानियों के निराकरण के लिए कहा कि यहां जितने भी अंडरपास/ओवर ब्रिज की आवश्यकता होगी, वह सभी बनाए जाएंगे। उन्होंने इंदौर में 400 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज लाइन का कार्य करने के बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशे का अवैध कारोबार करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। नशे के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए उन्होंने प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मनुष्यों की सोच जहां समाप्त होती है, वहीं से संतों की सोच शुरू होती है। मनुष्यों एवं देवताओं के बीच संत सेतु के रूप में होते हैं। समाज के किसी भी संत के योगदान को प्रदेश में भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने प्रदेश में गायों के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा गौशालाओं के संचालन के संबंध में राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि फूटी कोठी चौराहे का नाम संत सेवालाल चौराहा होगा। इस संबंध में कार्रवाई के लिये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इंदौर के चौराहों की आवश्यकता के अनुसार अंडरपास और ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। आगामी 3 वर्षों में एक कार्ययोजना बनाकर लगभग 20 से 25 अंडरपास/ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। इंदौर शहर में यातायात सुधार के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज बनाना हमारा संकल्प है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज लोकार्पित हुए चार ओव्हर ब्रिज के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संत श्री गोपाल चैतन्य महाराज ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में श्री एकलव्य सिंह गौड़ ने आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने इंदौर भ्रमण के दौरान सबसे पहले फूटी कोठी फ्लाय ओव्हर का लोकार्पण किया। यह फ्लाय ओव्हर 610 मीटर लंबा है। इसकी चौड़ाई 24 मीटर/6 लेन है। इसके निर्माण पर 57.70 करोड़ रूपये लागत आयी है। इसी तरह उन्होंने भवर कुआं के फ्लाय ओव्हर का लोकार्पण भी किया।

बाबा सिद्दीकी ही नहीं जीशान भी थे टारगेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के बांद्रा में शनिवार रात को एनसीपी अजित पवार गुट के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस मामले को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं. अब जानकारी सामने आई है कि शूटर्स के निशाने पर सिर्फ बाबा सिद्दीकी ही नहीं बल्कि उनके बेटे जीशान सिद्दीकी भी थे. उन्हें कुछ दिन पहले धमकी भी मिली थी. इस बात को पुछताछ में खुद हमलावरों ने कुबूल किया है. बाबा सिद्दीकी की हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले तीनों हमलावर धर्मराज राजेश

कश्यप, गुरमेल बलजीत सिंह और प्रवीण लोणकर पुलिस की गिरफ्त में हैं. आरोपियों ने दावा किया है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं. उन्होंने शनिवार शाम को बाबा सिद्दीकी पर उनके बेटे जीशान के दफ्तर के बाहर गोलियां चलाई. अब जब उनसे पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि बाबा ही नहीं उनके बेटे जीशान भी आरोपियों के निशाने पर थे. मुंबई पुलिस ने बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की घटना से कुछ दिन पहले ही बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी मिली थी. आरोपियों ने पूछताछ में बड़ा खुलासा किया कि जीशान और बाबा सिद्दीकी दोनों निशाने पर थे और उन्हें आदेश दिया गया था।

मेक्सिको में पांच सिर कटे शव मिले

मेक्सिको सिटी, (एजेंसी)। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य जलिस्को में सड़क के किनारे थैलों के अंदर रविवार सुबह पांच सिर कटे शव पाये गये। जलिस्को राज्य अभियोक्ता कार्यालय के एक बयान के अनुसार, काले प्लास्टिक के थैलों में अलग-अलग लपेटकर रखे गये पांच पुरुषों के शव पाये गये। उनकी उम्र का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

तीन अमेरिकी अर्थशास्त्री अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित

वाशिंगटन (एजेंसी)। स्टाकहोम, 11 अक्टूबर (एपी) तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को अनपेक्षित प्रयोगों, या तथाकथित ''प्राकृतिक प्रयोगों'' से निष्कर्ष निकालने पर काम करने के लिए सोमवार को अर्थशास्त्र के 2021 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नोबोल पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अर्थशास्त्रियों में बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड कार्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के जोशुआ डी. एंग्रिस्ट और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के गुइडो इम्बेन्स शामिल हैं। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस ने कहा कि तीनों ने ''आर्थिक विज्ञान में अनुभवजन्य कार्य को पूरी तरह

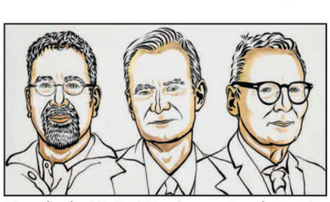

से बदल दिया है।'' आर्थिक विज्ञान समिति के अध्यक्ष पीटर फ्रेड्रिक्सन ने कहा, ''समाज के लिए अहम स्टाकहोम, 11 अक्टूबर (एपी) तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को अनपेक्षित प्रयोगों, या तथाकथित ''प्राकृतिक प्रयोगों'' से निष्कर्ष निकालने पर काम करने के लिए सोमवार को अर्थशास्त्र के 2021 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नोबोल पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अर्थशास्त्रियों में बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड कार्ड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के जोशुआ डी. एंग्रिस्ट और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के गुइडो इम्बेन्स शामिल हैं।

भारी वर्षा से तीन लोगों की मौत

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका में सोमवार सुबह तक भारी वर्षा से हुई आपदाओं के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने सोमवार को बताया कि देश भर के 12 जिलों में सात अक्टूबर से जारी भारी वर्षा से होने वाली आपदाओं के कारण आज सुबह तक 34,492 परिवारों के 1,34,484 लोग विस्थापित हो चुके हैं। श्रीलंका के सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के किनारे बसे सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी दी है।

गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपियों का उनके गृहनगर में जोरदार स्वागत हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास ले गए, जहां भगवा शॉल और माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया और इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'सनातन धर्म की जय' के नारे लगाए गए।

पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के मुख्य आरोपियों का उनके गृहनगर पहुंचने पर कुछ हिंदुत्व कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। एक अधीनस्थ अदालत ने नौ अक्टूबर को परशुराम वाघमारे, मनोहर यादव और छह अन्य आरोपियों को जमानत दे दी थी और 11 अक्टूबर को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। वे सभी छह साल से अधिक समय तक सलाखों के पीछे रहे। जब वे शनिवार रात अपने गृहनगर पहुंचे तो हिंदुत्व कार्यकर्ता उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास ले गए जहां भगवा शॉल और माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया ।

उत्तर प्रदेश के आगरा में खेत की मेड़ को लेकर खूनी संघर्ष

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार को खेत की मेड़ को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बरहन थाने के गोहीला गांव में दो पक्षों के बीच एक-दूसरे पर लाठियों और डंडो से हमला किया गया। उन्होंने बताया कि गोहिला गांव में रहने वाले पूर्व प्रधान के बेटे राघवेंद्र और धर्मवीर पक्ष के बीच खेत की मेड़ को लेकर विवाद हो गया, जिसमें दोनों ओर से लाठी- डंडों से हमला किया गया।

राज्यरानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो रेल कर्मियों की मौत

गंज बासौदा (एजेंसी)। सोमवार प्रात लगभग 9:00 बजे मिडिल लाइन से आ रही गाड़ी क्रमांक 22 162 दमोह भोपाल राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो रेल कर्मियों की मौत हो गई पड़ताल के बाद पता चला कि सीनियर सेक्शन इंजीनियर सीनियर सेक्शन इंजीनियर,साउथ , बीना के अधीन कल्हार स्टेशन पर यूनिट नंबर 28 में पदस्थ दोनों ट्रैकमैन रनर अपनी रूटिंग ड्यूटी के अनुसार कल्हार छूलेटा सेक्शन में मिडिल लाइन में रेलवे किमी क्रमांक 947/1 पर कार्य कर रहे थे तभी मिडिल लाइन पर आ रही राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से ट्रैक मेंटेनर ढुड्ढू के पद पर पदस्थ हैरन खान निवासी झांसी एवम ट्रैक मेंटेनर ढुड्ढू के पद पर पदस्थ मनोज सेन निवासी टीकमगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 58 वर्षीय ह्रहण खान का पार्थिव शरीर में रेलवे ट्रैक से 10 मीटर दूर झाड़ियों में जा गिरा वही लगभग 27 वर्ष चाहिए युवक

मनोज सेन की बॉडी बेल इंजन के सामने लगे कैटल गार्ड में जा फंसी । लापरवाही का आलम यह रहा कि हादसे के दो घंटे बीतने के पश्चात सिविल पुलिस और जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे।

चिराग पासवान को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री एवं हाजीपुर से सांसद, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान का सुरक्षा कवर बढ़ाने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने श्री पासवान को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अब श्री पासवान की सुरक्षा में 33 सुरक्षा कर्मी तैनात होंगे। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 33 जवान 24 घंटे उनकी सुरक्षा में रहेंगे। यह निर्णय श्री पासवान पर खतरे की बढ़ती आशंका की रिपोर्ट को देखते हुए लिया गया है, हालांकि अभी सरकार की ओर से उनकी सुरक्षा बढ़ाने का स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। श्री पासवान को इससे पहले एसएसबी के सुरक्षाकर्मियों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी।

दीपावली बोनस

कंपनी ने कर्मचारियों को बांट दीं 28 कारें और 29 मोटरसाइकलें

चेन्नई (एजेंसी)। हर एक कर्मचारी को उम्मीद होती है कि उसकी कंपनी उसे दीपावली पर उपहार और बोनस है। पर,ऐसा बहुत कम हो पाता है। लेकिन कुछ कंपनियां हैं जो अपने कर्मचारियों को दिल खोलकर उपहार बांटती हैं। चेन्नई की एक कंपनी ने इस दीपावली पर अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 मोटरसाइकलें उपहार स्वरुप दीं हैं। टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस नामक कंपनी ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइकें उपहार में दी हैं। इस पहल से कंपनी ने उद्योग जगत में एक नया मानक स्थापित

किया है। उपहार में दी गई कारों में हुंडई,टाटा,मारुति सुजुकी और मारसेडस बेंज जैसी प्रमुख ब्रांड्स शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को शादी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीधर कन्नन ने कहा कि कंपनी ने उपहारों का चयन उन कर्मचारियों के प्रदर्शन और उनके कार्यकाल के आधार पर किया। जिन कर्मचारियों को यह उपहार दिए गए हैं, उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपना था, जिसे कंपनी ने साकार किया। यह पहला मौका नहीं है जब टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने कर्मचारियों को उपहार दिए हैं। पिछले वर्षों में भी कंपनी ने बाइकें उपहार स्वरूप दी थीं, और 2022 में दो वरिष्ठ कर्मचारियों को कारें भी दी गई थीं। इस साल, कंपनी ने अपने इस उपहार अभियान को और बड़े पैमाने पर किया है, जो कंपनी और कर्मचारियों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। बता दें कि टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस कंपनी स्ट्रक्चरल स्टील डिज़ाइन और डिटेलिंग सेवाओं के क्षेत्र में कार्यरत है, और इसमें लगभग 180 कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीधर कन्नन ने कहा कि यह पहल कर्मचारियों के अथक प्रयासों और योगदान की सराहना करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा, हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और उनकी सफलता कंपनी की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

दिल्ली के होटल में सेक्स रैकेट ग्राहकों से ढाई हजार लेता था दलाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी पश्चिमी जिले की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में देह व्यापार कराने वाले रैकेट का पर्दाफाश कर एक दलाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के चंगुल से एक विदेशी सहित तीन युवतियों को छुड़ाया है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सूचना मिली थी कि महिपालपुर आनंद लोक होटल में देह व्यापार कराया जा रहा है। इस पर पुलिस उपायुक्त ने स्पेशल सेल प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम के एक सदस्य को फर्जी ग्राहक बनाकर होटल में भेजा गया। यहां पर फर्जी ग्राहक की मुलाकात सुरेंद्र नाम के दलाल से हुई। सुरेंद्र ने उससे ढाई हजार रुपये लिए। इसी बीच पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। सुरेंद्र मूलरूप से राजस्थान के झुंझुनू स्थित हुकमा की ढाणी का रहने वाला है। पुलिस ने उससे ढाई हजार रुपये भी बरामद कर लिए। पुलिस ने छापामारी के दौरान होटल से एक विदेशी सहित तीन युवतियों को छुड़ाया।

संपादकीय

सरकार बेरोजगारों को लाभार्थी नहीं, कामार्थी बनाए

भारत में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। पिछले तीन दशक में डिग्री से नौकरी और रोजगार की परिकल्पना का तेजी के साथ विस्तार हुआ। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में उधार के धन का प्रवाह बढ़ा है। पिछले 30 वर्षों में दुनिया के सभी देशों की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ीं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सारी दुनिया एक तरह से सोचने लगी। आर्थिक एवं सामाजिक विकास को लेकर सारी दुनिया में एकरूपता आई। औद्योगिक विकास को ही सबसे बड़ा विकास मान लिया गया। भौतिक आवश्यकताओं का एक नया पैमाना विकसित हुआ। डिग्री के आधार पर नौकरी और रोजगार के सृजन को मान लिया गया। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया। किताबी ज्ञान कभी वास्तविक ज्ञान का स्वरूप नहीं ले सकता है। किताबी ज्ञान की डिग्री कभी कोई काम नहीं आ सकती है। करोड़ों डिग्री धारी युवाओं को वर्षों से रोजगार नहीं मिल रहा है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां होने के बाद भी उन्हें 10 से 15000 रुपए की नौकरी नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण अब युवाओं में उच्च शिक्षा और डिग्रियों के प्रति अरुचि दिखने लगी है। औद्योगिक क्रांति से मशीनों को तो काम मिल सकता है, लेकिन आबादी को काम नहीं मिल पाता है। पिछले 20 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर काफी तेजी के साथ आगे बढ़ा। बैंकों में उपभोक्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई। बैंकों की कमाई कई गुना बढ़ गई। लेकिन बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या घटती चली गई। यही हाल रेलवे का है। यही हाल गवर्नमेंट सेक्टर का है। उद्योग और व्यापार में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों ने अपना एकाधिकार बनाते हुए स्थानीय रोजगारों को समाप्त करने का काम किया है। पूंजी का प्रवाह कुछ बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों तक सीमित होकर रह गया, जिसके कारण मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की बचत खत्म हो गई। निम्न और मध्यम वर्ग पर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया। देश में डिग्री लेकर नौकरी की मांग करने वाले युवाओं की संख्या साल दर साल बढ़ती चली गई। जो स्थानीय रोजगार और धंधे थे, वह पूरी तरह समाप्त होते चले गए। भारत जैसे देश में जिसकी आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 30 करोड़ से ज्यादा उच्च शिक्षित पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। इन्हें बाबू और चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल पा रही है। पिछले वर्षों में रोजगार के अवसर स्थानीय आधार पर उपलब्ध थे आर्थिक विकास के नाम से वह छीन लिए गए हैं। सभी रोजगार व्यवसाय और उद्योग में कॉर्पोरेट का कब्जा होता जा रहा है। जिसके कारण बेरोजगारी की समस्या दिन- प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए बेरोजगारों को लाभार्थी बनाने के लिए सरकार प्रतिमाह कुछ राशि देकर बेरोजगार युवाओं के गुस्से को शांत करना चाहती है। बेरोजगार युवाओं को सरकारी सहायता पर निर्भरता बढ़ाई जा रही है। यह स्थिति आर्थिक, सामाजिक विकास की दृष्टि से भविष्य में बहुत नुकसान पहुंचाने वाली साबित होगी।

कहानी

आर्ट ऑफ सैंड

सागर की गीली रेत पर चलते मेरे क़दमों से अंकित पद चिन्हों को सागर की आती-जाती लहरें मिटा रही थीं। मेरे आवारा पैरों ने मुझे हर रोज की तरह एक बार फिर उसी समुंद्र के किनारे ले जाकर खड़ा कर दिया, जहाँ मैं एक अरसे से ठहरी हुई थी। मौज से भरी लहरें अठखेलियां करती हुई मेरे पांव को चूमने लगी थीं। सूर्य अपने सात घोड़ों के रथ पर सवार था, उसने अपने रथ के पहियों की गति थोड़ी धीमी कर ली थी। सूर्यास्त के समय सूर्य अहिस्ता-आहिस्ता वृहद समुंद्र के मध्य लहरों के पीछे शनैः शनैः जलसमाधि लेने लगा था। नीलांबर लाल केसरी चोला धारण किए साधु-सा शांतचित्त और ध्यान में डूबा हुआ प्रतीत हो रहा था। भानु की बुझी-बुझी आँखें जैसे मुझे ही देख रही थी। मैं सूरज को डूबता देख अपनी बुझती आंखों से अपने इर्द-गिर्द के प्राकृतिक वातावरण को देख रही थी।

समुंद्र किनारे हो रहा सनसेट, लकड़ी के आधे टूठ से बंधी नाव, बिखरी हुई सीपियां, लहरों पर तैरती छोटी-बड़ी मछलियां और अथाह समुंद्र का अनुपम दृश्य मेरी आँखों के सामने था। मेरी नज़रें चारों ओर विचरण कर रही थी। एक तरफ़ सागर किनारे रेत पर पीठ घुमाए बैठे प्रेमी युगल, अपनी अंगुलियों से बड़े-बड़े हार्ट और उसके भीतर हृदय को आर-पार भेदते तीर वाली आकृतियां सागर की गीली रेत पर उकेर रहे थे, वहीं दूसरी ओर भागते-दौड़ते, खेलते, खिलखिलाते छोटे-छोटे बच्चे उसी सागर की रेत पर इधर से उधर दौड़ रहे थे। उनमें से कुछ बच्चे रेत के घर बनाने में व्यस्त थे, जो उस सुरमई शाम के सुहावने दृश्य में चार चांद लगा रहे थे। मैं मुख पर उदासीनता की चादर ओढ़े समुंदर तट पर खड़ी अपने आस-पास के उस सारे नज़ारे को डूबकर निहार रही थी।

एक ऊंची लहर और शीतल बयार के झोंके से मेरे चेहरे पर बिखरी अलकों ने अचानक हरक़त की और मेरी स्तब्ध हो चुकी दृष्टि की तटस्था को भंग कर दिया। एक बार लगा जैसे मैं नींद से जाग गई, किन्तु मेरी चेतना क्षणिक थी, जो मुझे छोड़कर पुनः गायब हो गई। मेरा अवचेतन मन पुनः शून्य में ठहरने लगा। मैं एक स्थान पर बैठ गई। गहरे समुन्द्र की आती-जाती लहरों की भाँति मेरा मन भी मुझे लेकर दूर तक की यात्रा पर निकल गया और मैं अतीत की मांद में अंधेरी राहों की भूलभुलैया में खो गई। विह्वल भी मुझे एक शाम इसी समुंद्र किनारे मिला था। मैं उसकी प्रतिभा पर मुग्ध थी। हां, उसकी प्रतिभा ही उसका पैशन था। वह सैंड आर्टिस्ट था, जो रेत पर तरह-तरह की आकृतियों को जीवंत रूप देने में माहिर था। मैं यहां जब भी आती, उसे दूर से ही देखती रहती। वह अपने काम में अतिव्यस्त होते हुए भी कभी-कभी मुझे खुद को देखते हुए देख लेता था तो हल्का-सा मुस्कुरा देता था। मैं उसकी कला और मोहक मुस्कान की मुरीद थी। मैं जब भी उसे कुछ बनाते देखती तो प्रशंसा किए बिना नहीं रहती। इसके बदले वह हल्का-सा मुस्कुराता और शुक्रिया अदा करता। बस इस तरह पांच-छः महीनों में हमारी दोस्ती आगे बढ़ी और फ़िर वही हुआ जो अधिकतर होता है; हमारी दोस्ती प्यार में बदल गई। हम अक्सर शाम को सूर्यास्त के समय यहां आकर बैठ जाते थे। सूरज के लाल, केसरिया रंग में रंगा अनन्त आकाश, आसमान में पंक्तिबद्ध होकर उड़ान भर अपने घोंसलों की ओर जाते परिंदे, रेत की सौंधी खुशबू, किनारों पर खड़े हम दोनों की ओर आती सागर की बड़ी-बड़ी लहरें, ठंडी हवा के झोंके, बड़े पत्थरों पर बैठे यंग कपल्स, सब मिलकर यहां के वातावरण को मोहक और आकर्षक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। अपनी सुखद अनुभूतियां और फ्यूचर प्लानिंग जैसी तमाम चीजों का आनंद हम यहीं बैठकर उठाते थे। एक सांझ मैं उसके कंधे पर सिर रख इत्मीनान से बैठी थी, कि तभी बातों ही बातों में उसने मुझसे कहा,- सुनो! हुंज। मैंने बिना आँखें खोले धीमे से उत्तर दिया। मैं तुम्हारे लिए कुछ बनाना चाहता हूं। बताओ तीर वाला हार्ट बनाऊं? हम दोनों का कपल या कुछ और जो तुम्हें पसंद हो? उसके चेहरे की संजीदगी उसके स्वर में छाई हुई थी। मैंने उसके कंधे से अपना सिर उठाया और उसकी आँखों में देखने लगी। बताओ न! क्या बनाऊं? उसने मेरी ओर प्यार से देखते हुए जवाब की आस में पुनः वही प्रश्न पूछा। उसके इस प्रश्न पर मैं कुछ देर के लिए मौन हो गई। उसकी आँखें अब भी मेरे उत्तर की प्रतीक्षा कर रही थीं। घर....! घर बनाओ तुम मेरे लिए। मैंने धीमे से कहा। मेरे स्वर में गंभीरता और तरलता थी। मुझे घर बहुत पसंद है। ऐसा घर जिसकी खिड़की से विस्तृत आकाश, पंक्तिबद्ध पंछी, डूबता सूरज, और वृहद समुंद्र दिखाई दे। ठंडी हवाएं हमसे बातें करने घर में हौले से चली आएं और रात को जिसकी खिड़की से आकाश में लटकता रौशन चांद दिखाई दे। ऐसा ही एक घर, जो हमारे सपनों का महल हो, जिसमें तुम हो, मैं हूँ और हो हमारा अनन्त सागर-सा गहरा प्यार। मैंने उत्साह भरा उत्तर दिया। मैंने उसके कंधे पर अपना सिर फ़िर से टिका दिया। उसके शरीर में एक हलचल-सी हुई। शायद उसके हृदय में बसा छोटा-सा आर्टिस्ट घर बनाने के लिए कुलांचें भरने लगा था। उसकी अस्थिरता के कारण मैं अपने सहारे स्थिर होकर बैठ गई। मैंने उसकी ओर देखा वह मेरी मनोकामना को पूर्ण करने के लिए अतिआतुर था। वह मुस्कुराते हुए अपनी जगह से उठा और अपने कमीज की आस्तीन मोड़कर दोनों हाथों से रेत इकट्ठा कर ढेर लगाने लगा। मैं भी उठकर उसकी तरफ़ बढ़ गई और उस निर्माण कार्य में उसका हाथ बंटाने लगी। हम दोनों अपने चारों हाथों से घर बनाने में जुट गए। कुछ देर बाद मैं उसके पास बैठ गई और उसे घर बनाते हुए अनिमेष देखने लगी। मैं उसके अंदर बसे कलाकार को देख रही थी। वह अपने कार्य में इतना अभिमुख था जैसे साधक सिद्धि में। वह उस

सपनों के घर की नींव रख चुका था और निर्माण कार्य जोरों पर था। मेरी उस के खवाहिश को पूर्ण करना ही उसका मक़सद था। हवा और लहरों का समवेत स्वर मेरे कानों में पड़ रहा था। पवन जैसे पंखा झल रही थी और उसके बिखरे बाल चेहरे पर इधर-उधर उड़ रहे थे जैसे सुंदरता के प्रहरी इधर से उधर गश्त लगा रहे हों।

वह घर अभी आधा ही बन पाया था कि अचानक उसका फ़ोन बज उठा। उसने रेत से सने अपने हाथों को जल्दी से सागर के खारे पानी से धोया और मोबाइल पॉकेट से निकालकर कॉल पर बात करने लगा। बातों ही बातों में वह दस क़दम आगे निकल गया। कॉल कट होने के बाद जब वह वापिस मेरे पास आया तो उसकी आंखें चमकने लगी थीं। उसका चेहरा खुशी से खिला हुआ था। वह प्रसन्नता से उछल पड़ा मैं उसे अपनी ओर आता देखकर वहीं खड़ी हो गई और मुझे कंधों से पकड़ किनारे पर ही वह मुझसे लिपट गया। उसे इंटरनेशनल कंपनी में एक साल के लिए ऑफर मिला था। उसका खवाब उसकी आंखों में जुगनू-सा चमक रहा था। हम दोनों फूले नहीं समा रहे थे, लेकिन उसके जुदा होने के एहसास से अचानक मेरे चेहरे का रंग उड़ने लगा था। मेरा उदास चेहरा देखकर मुझे बहुत प्यार से समझाते हुए उसने कहा, पागल! एक ही साल की तो बात है। चुटकियों में निकल जायेगा। आते ही सबसे पहले तुम्हारे इस अधूरे घर को पूरा बनाऊंगा और उसके बाद हम शादी करेंगे। उसने मेरे चेहरे को अपनी दोनों हथेलियों में भरकर आश्वासन देते हुए कहा। यह सुनकर मेरी आंखों में नमी की बारीक परत झलक आई और फिर आंखों से अनवरत आंसू बहने लगे। मेरे मुख पर दुःख और प्रसन्नता के मिले-जुले भाव तैर रहे थे। उसने मेरे आंसू पोंछ दिये। हम दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे टकटकी लगाएं एक दूसरे की आंखों देख रहे थे। मुझे लगा जैसे विस्तृत समुंदर में हिलोरें उठने लगी, अटल पहाड़ों की गिरफ्त को तोड़कर जल प्रवाहित होने लगा। यकायक जैसे शांत समुंदर में लहरों ने आंदोलन कर दिया और लहरें उद्वेलित होकर अपना नियंत्रण खो बैठी हों ।

लहरें बल खाकर किनारे पर पड़े गीले रेत की छाती पर लौटने लगी और तट पर खड़े सैलानियों के कदमों को चूमने लगी। अकस्मात ही जैसे छोटी-बड़ी लहरों के हृदय में उथल-पुथल मचने लगी, मेरे मन के भीतर भी वैसा ही भीषण घात-प्रतिघात चलने लगा था। वहीं खड़े-खड़े अचानक आंधी का हाहाकार मेरे कानों में उठने लगा। अरे कह खो गई हो लावण्या? उसके इस वाक्य ने मेरे ख्याल को झटक दिया। मैंने अपनी उखड़ी सांसों को संभाला और गीली पलकों से उसे देख हल्की मुस्कान अधरों पर ले आई। धीरे-धीरे अंधेरे ने अपना डेरा डालना प्रारंभ कर लिया था। हम उसी विषय पर बातचीत करते हुए अपने-अपने घर लौट आए। दिन गुजरते गए और एक शाम ऐसी भी आई जो उसे उड़ाकर मुझसे दूर ले गई। समुंद्र के तट पर मेरे आंसुओं की बारिश होते हुए दो बरस गुजर गए, जो लगातार समुंद्र के नमक की मात्रा को बढ़ाती रही है। मैं आज तक भूतकाल के स्मृति कांटे में मछली-सी फंसी छटपटा रही हूं। हां! मैं यहां भक्क नीले आकाश के नीचे इसी किनारे पर प्रतिदिन आती हूं और सुनती हूं स्मृतियों में मल्लाह के गीतों के सुरों की वेदना, किसी वायलन से निकलती आंतरिक पीड़ा की धुन को, जो मेरे हृदय का अंतर्नाद-सा प्रतीत होता है। मम्मी मेरा घर टूट गया। किनारे पर खड़े रो रहे एक बच्चे की इस आवाज़ ने मेरी सारी स्मृतियों को अचानक से पीछे धकेल दिया। मैंने अपने बहते अश्कों को गालों से पोंछ लिया और रोकर सूज चुकी आंखों से उस बालक को देखने लगी। मेरा घर टूट गया। मैंने मुश्किल से बनाया था। वह बच्चा बिलखने लगा। एक सागर की तीव्र गतिमान लहर, किनारे पर बने उसके घर को अपने साथ बहा ले गई। मेरी आँखें अपनी बगल में उस बिलखते, आँखें मलते बच्चे को देख रही थी, जो घर टूटने के दुःख में विलाप कर रहा था।

अगर वह समझने या सुनने लायक होता तो मैं उसे अवश्य बताना चाहती कि, मैंने भी बनाना चाहा था उसकी भांति रेत पर निर्मित अपना घर; जिसे लील लिया इस समुंद्र ने। जो मेरे जीवन में किसी सुनामी से कम हादसा नहीं था। रेत में धंसे सपनों के पांव भी बहा ले जाती हैं लहरें, वे बेबस होकर भाग भी नहीं पाते। आवेग भावनाओं का हो या समुंद्र का सब कुछ बहा ले जाता है। ये स्मृतियां मछुआरे का वो गूथा हुआ जाल हैं; जिनमें फंसा मेरा प्रेम, सपने और घर हमेशा छटपटाते रहेंगे। मेरे पैर मुझे बार-बार इस किनारे पर घसीट लाते हैं पिछले दो बरस से। मेरे साथ छल किया है प्रेमी और सागर दोनों ने। एक मौत के साथ जीवन बहा ले गया और दूसरा अधूरा घर। प्रेम और घर का इंतज़ार है कि खत्म ही नहीं होता। मेरीआँखें, आँखें कम बरसते बादल की बारिश अधिक हैं। बरसती आँखें लिए मैं असीम सागर को देखते हुए सोचने लगती हूँ कि समुंद्र शांत होकर भी कितने तूफ़ान, सुनामी समेटे बैठा है। लहरें कितने पांव के निशान और घर निगले सुस्ता रही हैं। इस बच्चे का घर और सपने भी नहीं लौटेंगे,उसी तरह जैसे वह कभी नहीं लौटा और न लौटा रेत का आधा अधूरा घर। एयरोप्लेन क्रेस होने के बाद। येअंबर, धरती, सागर, किनारे, लहरें और ये हवाएं भी मेरी दुश्मन हैं।

आत्मिक रिक्तता, नीरसता, दुःख जीवन में स्थायी हो गए। लहरों ने फिर मेरे पैरों को ऐसे स्पर्श किया, जैसे कोई बालक बार-बार पैर छू कर माफ़ी मांगता है। मैं विशाल समुंद्र को अपनी कज्जलकूट सम श्यामल और धुंधली आंखों से हिलोरे मारते हुए निहारने लगी और सोचती रही कि सागर, किनारे, लहरें सब यहीं स्थित और तटस्थ रहेंगे, किंतु घर...! घर नहीं; क्यों कि रेत की इमारतों की उम्र नहीं होती। वह बह जाती है या ढह जाती है; हवा और पानी के साथ। बस यही तो रेत की कला है। यही तो है आर्ट ऑफ सैंड।

डॉ. राजकुमारी राजसी
सहायक प्रवक्ता हिंदी
8708165299

प्यार वाला कमरा

आजकल की दुनिया में, प्यार भी एक उत्पाद हो गया है। एक समय था जब प्रेम के लिए लोग पेड़ों के नीचे बैठते थे, चांदनी रात में खुसर-पुसर करते थे, और किसी कोने-अंतरे में छुपकर प्यार जताते थे। परंतु अब समय बदल गया है। आजकल प्यार करने के लिए भी कमरा चाहिए, और वह भी OYO का प्यार वाला कमरा। OYO होटल क्या है? एक तरह से यह प्यार के पुजारियों का आधुनिक मंदिर है। यहां आओ, घंटा दो घंटा की पूजा-अर्चना करो और फिर घर लौट जाओ। आजकल प्रेम का व्यापार इतना साफ-सुथरा हो गया है कि उसमें अब न ताजमहल की जरूरत है, न ही अनारकली की कहानी की। बस OYO का ऐप खोलो, couple-friendly कमरा बुक करो, और झटपट प्रेम का सुख भोगो। OYO ने प्यार को पैकेज कर दिया है। प्रेम का आधार अब जगह नहीं, OYO की इकोनॉमी रूम हो गई है। होटल वालों ने तो मानो कसम खा ली है कि कमरे का गद्दा ऐसा हो कि वहां सिर्फ दो घंटे में प्रेम की इमारत खड़ी हो जाए। दीवारों पर गुलाबी रंग, बिस्तर पर सफेद चादर, और दरवाजे पर 'डू नॉट डिस्टर्ब' का बोर्ड। मानो प्रेम अब कोई कोड-वर्ड हो गया हो। OYO में आओ और जीवन के बड़े-बड़े दर्शन समझ लो। बात यहां पर खत्म नहीं होती। होटल वालों ने तो प्यार वाला कमरा बेचने की प्रतियोगिता शुरू कर दी है। हर होटल की अपनी अलग-अलग स्कीम है। कहीं प्यार की मस्ती पैकेज है, जिसमें दो घंटे का कमरा, मोमबत्ती की रोशनी और फूलों की महक आती है। वहीं, कहीं रोमांस रिट्रीट है, जिसमें बाथटब में गुलाब की पंखुड़ियाँ बिखरी मिलती हैं। अब ऐसा लगता है कि प्रेमी युगल गुलाब के खेत से नहीं, OYO के कमरे से निकलते हैं।होटल वाले भी समझदार हो गए हैं। उन्होंने समझ लिया है कि प्रेम अब स्थायी नहीं है। ये बस एक क्षण का मामला है। इसलिए कोई सवाल नहीं पूछते, बस आधार कार्ड दिखाओ और कमरे में जाओ। होटल वाले जानते हैं कि प्यार का समय सीमित है, इसलिए घंटे की दर से किराया लेते हैं। कहीं आधे घंटे के हिसाब से कमरा मिल रहा है, तो कहीं पैकेज में मिनरल वॉटर की बोतल भी फ्री है। अरे भाई, प्यार करना है तो प्यास तो लगेगी ही! अब ये OYO की दुनिया है। जहां प्रेमी युगल होटल की चादरों पर प्रेम रचते हैं और बाहर निकलकर उसी समाज में जाते हैं जहां प्रेम के नाम पर नियम-कानून की दीवारें खड़ी हैं। प्यार को अब OYO की बुकिंग और चेक-आउट टाइम में मापा जाता है।जो प्रेम पहले दिल की गहराइयों में था, वो अब OYO के कमरों में रेडी टू यूज अवस्था में उपलब्ध है। अगर शेक्सपीयर आज होते, तो कहते, प्यार OYO है, OYO प्यार है। प्रेम, हह्हह में कैद हो चुका है। अब शायद प्रेमिका से मिलने के लिए प्रेमी कहेगा, सुनो, हह्हह का कमरा बुक किया है, आ जाओ। प्यार की घड़ी शुरू हो रही है!

सागर यादव जख्मी

कलियुग का रावण

अखबार में एक खबर पर नजर पड़ी... इस बार रावण बनाने के लिए इम्पोर्टेड कागज मंगवाया जा रहा है जापान से.. रावण भी 'मेड इन जापान!' लो जी...कर लो बात , रावण भी इम्पोर्टेड! मतलब, हमें हमारी देसी टेक्नोलॉजी पर इतना अविश्वास हो गया है... । कह रहे हैं ,देसी मटेरियल से बना रावण, बरसात की मार नहीं झेल पाता । गलने लगता है बूँदें पड़ते ही.. । रावण को बने रहना पड़ेगा दशहरे तक .. । पुतले रावण के ही बनते हैं ना, राम के नहीं। पुतले बोलते नहीं, उन्हें जैसा आकार दे दो, अपने मन की मर्जी के रावण का आकार।ये दस सर क्यों बना रहे हैं..अपने मन के रावण जैसा बनाना है तो एक ही सर बना दो, वही जो दुनिया को दिखाते हो..किसने देखा है, अन्दर छुपाये रखे वो दस घिनौने चेहरे ।बनाना है तो बनाओ उसके दो हाथ जो पीछे बंधे हुए है..जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ के ,रिश्वत के फेविकोल से बंधे । सजा दो उसकी आस्तीन में वो जातिवाद,भ्रष्टाचार,धार्मिक उन्माद के जहरीले सांप .. । लेकिन नहीं..हम रावण को रावण जैसा बना भी दें फिर भी हम वो हैं जो उसे राम भी बता दें ,तो आपको विश्वास करना पड़ेगा ... । हमारी नजर में राम और रावण में कोई भेद नहीं.. । रावण के पुतले को एक ने गदा पकड़ा रखी है, कोई धनुष भी पकड़ा सकते हैं। कल के लिए ये कहना मुश्किल हो जाएगा कि जो सामने खड़ा है वो रावण है या राम ? पुतला कह रहा है मुझे कम से कम रावण तो रहने दो ? बुराई का असली प्रतीक.. । मैंने राम से दुश्मनी भी की तो असली दुश्मनी ..दिखावा नहीं किया,तुम लोगों की तरह.. । हो सकता है कल रावण के पुतले को अपने कागजात दिखाने पड़े कि भाई, मैं रावण ही हूँ, मुझे राम बनाया जा रहा है,मेरी आइडेंटिटी भी छीनी जा रही है !

पुतला बनेगा रावण का,पुतले को मारना आसान है। असली रावण तो सबके अंदर छुपा हुआ है,दिखता ही नहीं है । रावण के पुतले को बड़ा बनाते हैं,काफी उंचा,ताकि दूर से ही नजर आ जाए,जलाना आसान हो जाएगा ..उसे ही असली रावण मानकर ,उसे मारकर हम संतुष्ट हो लेते है... , चलो काम खत्म ...अब अगली साल देखेंगे .... । आयोजक समिति ने इस बार वार्निंग दे दी है.. देखो रामदीन ,तुम्हरी टीम ने पिछली बार जो रावण बनाया था,बड़ा जिद्दी था यार, जल ही नहीं रहा था.. । हमारे अतिथि महोदय नाराज हो गए थे..! पता है ,वो जो डोनेशन बोल रखा था उन्होंने वो भी देकर नहीं गए...वो तो भला हो किसी शहर के ही मनचले ने पीछे से जाकर आग लगा दी... । इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए रामदीन ,अपने कारीगरों को समझा देना ,वरना हम पेमेंट रोक लेंगे.. । मेले में बच्चों को घुमा भी लाये,कुछ चाट-पकोड़ी खिला लाये.. । पिकनिक जैसा कुछ हो गया.. । जैसे बच्चे की कोई रीरी थी जिसे एक टॉफी दिला दी बच्चा चुप हो गया..अब देखेंगे अगली साल.. ।सदियों से यही होता आया है..रावण के पुतले बनेंगे राम के चोगे बनेंगे..! ईसान को आता है मन के रावण को छुपाना, उस के ऊपर सभी ने राम के चोगे ओढ़ रखे हैं.. । मेला सज चुका है, रावण के पुतले–छोटे, बड़े, डोरेमोन स्टाइल, स्पाइडरमैन स्टाइल, डायनासोर स्टाइल..बच्चों के मनपसंद के टीवी ओर कॉमिक्स करेक्टर में ढले रावण ...बड़े क्यूट से रावण–सब कुछ बाजार में मौजूद हैं।बच्चे रावण के खिलोने ही पसंद कर रहे हैं ..

उन्हें मारने के लिए नहीं..अलमीरा में या उनके स्टडी टेबल पर सजाने के लिए.. । उन्हें मानते हैं असली हीरो ..:–मॉम, देखो कितना क्यूट है! पर कोई राम, लक्ष्मण, सीता के खिलौने नहीं ले रहा। वनवासी भेष में राम, सीता, लक्ष्मण किसी को नहीं भा रहे...कूल नहीं है मोम ये ।

दुकानदार भी खुश हैं–इस बार भी रावण के खिलोनों की मांग ज्यादा थी, पहले से ही दस गुना ज्यादा स्टॉक रखा था, और सब बिक गया। बचे रह गए तो बस राम, लक्ष्मण और हनुमान के खिलौने। सच में, हम रावण को सिर्फ इसलिए जला पाते हैं क्योंकि हमें पता है कि अगले साल फिर उसे जलाने का मौका मिलेगा। अगर कोई कह दे कि बस, इस बार आखिरी बार जलाना है, तो शायद कोई तैयार न हो। क्यूँ की हमें भाता है रावण को हर साल देखना ,और बड़े कद में,और भव्य,और आकर्षक.. । ये तो नेताओं, आयोजकों और संस्थाओं के लिए भीड़ जुटाने का एक सर्कस शो है, एक स्टार सेलिब्रिटी के रूप में रावण मौजूद है ,प्रसिद्धी ,धन,यश ,वोट,अहंकार..सब कुछ आपके लिए बटोरेगा..'हुकुम मेरे आका ।' आप क्या सोचते हैं,राम के भी पुतले बनने चाहिए..क्यों नहीं बनते ? बनाने की कोशिश करते भी हैं..लेकिन जब बनकर तैयार होते है तो देखते है...ये तो रावण का बन गया.. । आदमी पुतले में अपने मन का अहंकार ही तो उतारता है ,जब तक मन का अहंकार रहेगा , पुतला रावण का ही बन पाएगा,कितनी भी कोशिश कर लो। इस देश में एक सोची-समझी साजिश चल रही है... हर इवेंट को एक मुद्दा बना दो ... मुद्दा जितना चमकीला और आकर्षक होगा, ताकतवर होगा,बड़ा होगा,उतनी ही जनता आकर्षित होगी। कोई भी घटना एक मुद्दा बने, समस्याएं भी मुद्दा बनें। समस्याएं हल नहीं होनी चाहिए, मुद्दे हल होने के लिए नहीं, दिखाने के लिए होते हैं। हर बार मुद्दे को बड़ा किया जाता है... मुद्दे को वॉटरप्रूफ, बरसात रोधी, फायरप्रूफ बनाया जाता है। हो सकता है कल रावण को जलाने की बजाय गाड़ने की सोचें, ताकि उसे जब चाहें कब्र से उखाड़ सकें, झाड़-पोंछकर दिखा सकें कि देखो, ये है रावण! बुराई का प्रतीक, और हमें इसे मारना है, जलाना है। ये सामने खड़ा है, आप नहीं मारो इसे , तुम्हे मारने का अधिकार नहीं है , हमें मारने दो । हम पत्थर मारेंगे, तीर मारेंगे, इसे जलाएंगे। ये अधिकार तुम हमें दो, अपना वोट हमें दो, ताकि हम इसे मार सकें। समस्याएं? हाँ, बस रावण को हम मार देंगे तो सारी समस्याएं हल। बेरोजगारी की समस्या, गरीबी की, महंगाई की, हर समस्या का समाधान है बस रावण को जलाते रहना। लेकिन रोज-रोज नहीं जलाना है। पहले इसे बड़ा होने देंगे। छोटे रावण को मारेंगे तो जनता को मजा नहीं आएगा, इसलिए बस इंतजार करो... रावण बन रहा है... वॉटरप्रूफ... आकर्षक। तुम्हारे मन का रावण अट्टहास कर रहा है... हाँ, अब आएगा मजा! देखो रावण के जलने के साथ ही शहर की सारी समस्याएं जल कर राख हो गयी ..अब कोई टूटी सड़क नहीं,कोई कचरे से अटी पडी नालियां नहीं...कोई बीमार नहीं..कोई गरीब नहीं..कोई भूखा नहीं.. ।

डॉ. मुकेश गर्ग दूरभाष नंबर- 9785007828

व्यंग्य
तीसरी आँख

उन्हें मारने के लिए नहीं..अलमीरा में या उनके स्टडी टेबल पर सजाने के लिए.. । उन्हें मानते हैं असली हीरो ..:– मॉम, देखो कितना क्यूट है! पर कोई राम, लक्ष्मण, सीता के खिलौने नहीं ले रहा। वनवासी भेष में राम, सीता, लक्ष्मण किसी को नहीं भा रहे...कूल नहीं है मोम ये ।

सिका में दशहरा उत्सव मनाया

इंदौर। सिका स्कूल की बाल वाटिका, स्किम नंबर 78 ने धूमधाम से दशहरा उत्सव मनाया गया।शिक्षकों ने बच्चों को महाकाव्य रामायण की कहानी समझाई जिसमें भगवान राम ने रावण को हराया था। बच्चे रंग बिरंगी कपडे पहनकर आए ।

उनमें से कुछ ने भगवान राम, सीता और लक्ष्मण और हनुमान के रूप में कपड़े पहने थे। बच्चों ने दशहरा से संबंधित गतिविधियों का आनंद लिया और रामायण की कहानी सुनी। प्रधानाध्यापिका स्वाति जैन ने बच्चों को बताया कि दशहरा को विजयादशमी के रूप में भी जाना जाता है और यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

छावनी अनाज मंडी के दो गेट बंद करने से किसान व्यापारी हम्माल सभी परेशान

वर्षों से चालू गेटों को मंडी सचिव की मनमानी के कारण बंद किया गया

मंडी परिसर में स्थित बैंकों में भी आने वाले ग्राहकों को हो रही है परेशानी

इंदौर। छावनी अनाज मंडी में पूर्व में तीन गेट थे इससे किसानों को मंडी में माल लेकर आने में और वापस जाने में आसानी होती थी, साथ ही व्यापारी हम्माल और ट्रांसपोर्टरों को भी आसानी रहती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से लोहा मंडी की ओर का एक गेट बंद कर दिया गया था तथा उस पर कुछ व्यापारियों ने अतिक्रमण कर अपना गोदाम बना लिया।

जबकि छावनी की ओर खुलने वाला गेट पिछले कुछ दिनों से बंद कर दिया गया है। इस गेट से व्यापारी और किसान अपना माल बेचकर खरीद कर बाहर जाते थे ।उनके पास जोखिम भी रहती थी और मंडी परिसर में स्थित औद्योगिक व्यापारिक बैंक तथा स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की शाखा में भी आवाजाही करने में आसानी होती थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मंडी सचिव के तानाशाही पूर्ण आदेश के चलते यह गेट भी बंद कर दिया गया है। इसको लेकर किसान संगठनों ने पूर्व में भी आपत्ति ली थी तथा मांग की थी कि गेट खोले जाए ।

संयुक्त किसान मोर्चा रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, शैलेंद्र पटेल, चंदन सिंह बड़वाया सतीश मकवाना आदि ने उक्त जानकारी देते हुए मांग की है कि छावनी की ओर खुलने वाला मंडी का गेट पूर्व की तरह रोज खोला जाए। केवल रात में बंद किया जाए ।साथ ही लोहा मंडी की ओर खुलने वाला गेट नंबर-2 को भी अतिक्रमण मुक्त कर खोला जाए । किसान संगठनों ने मंडी सचिव के इस तर्क से भी असहमति जताई है कि मंडी के गेट

ज्यादा खुलने से चोरी की घटनाएं बढ़ती है। गौरतलब है कि चोरी की घटनाएं रोकने के लिए मंडी समिति ने 60 से ज्यादा गार्ड्स की नियुक्ति कर रखी है और इनका लाखों रुपए महीना भुगतान होता है , उसके बावजूद भी अगर मंडियों में चोरी होती है तो यह मिली भगत के अलावा संभव नहीं है।

मंडी गेट खोलने के लिए किसान संगठनों ने मंडी सचिव को लिखित में पत्र लिखा है तथा मांग की है कि शीघ्रता शीघ्र मंडी का गेट खोला जाए अन्यथा किसानों को अन्य कार्रवाई करने के को बाध्य होना पड़ेगा ।

पुरे भारत की समस्त अहिंसा प्रिय समाज पुरे जोर विरोध दर्ज करें

इंदौर।ईरान, इराक, कुवैत समेत 15 देशों को हलाल मीट एक्सपोर्ट करेगा भारत, देश में मच चुका है बवाल। भारत सरकार ने 15 मुस्लिम देशों को हलाल मांस नि जीवीर्यात करने का फैसला लिया है। इसको लेकर विदेश व्यापार महानिदेशालय ने अधिसूचना जारी की है। हलाल मांस का निर्यात 16 अक्टूबर से शुरू होगा।

भारत की नरेंद्र मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किए हैं, जिसके तहत 15 मुस्लिम बहुल देशों को हलाल-प्रमाणित मांस और मांस उत्पादों का निर्यात शुरू करने का फैसला किया है. सरकार का यह कदम काफी दिलचस्प और बहस को जन्म देता है, क्योंकि देश के भीतर हलाल प्रमाणन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है. इन उत्पादों को भारत अनुरूपता मूल्यांकन योजना (I-CAS) हलाल प्रमाणन का अनुपालन करना होगा, जिसकी देखरेख भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) द्वारा की जाती है. इन्हें 15 मुस्लिम बहुल देशों को भेजने के लिए निर्धारित किया गया है। सिवनी म. प्र.दिगंबर जैन पंचायत कमेटी की ओर से अध्यक्ष पवन दिवाकर जैन ने इस फैसले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पुनर्विचार की मांग की है। भारत की समस्त अहिंसा में विश्वास रखने वाली प्रिय समाज को इस मामले पर सरकार से पुनर्विचार करने की मांग करनी चाहिए इंदौर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू हंसमुख गांधी टीके वेद प्रदीप बडजात्या, अशोक मेहता कातिलाल बंम भूपेंद्र जैन कमल जैन परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन फेडरेशन की राष्ट्रीय श्रीरोमणी संरक्षिका पुष्पा जी कासलीवाल आदि समाज जन ने सरकार के इस कदम को बहुत ही निंदनीय बताया और सरकार से इस फैसले पर पुनः विचार करने का निवेदन किया।

नौ दिनी गरबा उत्सव में गरबा करने वाली 101 कन्याओं का पादपूजन कर पुरस्कार वितरित किए, महाप्रसादी

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। नवरात्रि महोत्सव के समापन अवसर पर शहर के समीप ग्राम हरसौला में स्वंभू माँ भवानी प्राचीन मंदिर पर नवरात्रि महोत्सव के समापन पर छोटी-छोटी कन्याओं के गरबों के साथ पाद-पूजन किया गया। सभी कन्याओं को पुरस्कार वितरित किए गए। महाआरती के बाद प्रसादी वितरित की गई। मंदिर के पुजारी ज्योतिषा एवं भागवताचार्य पं. श्री बालकृष्ण शर्मा ने उपस्थित सभी भक्तों को माँ की महिमा के बारे में बताया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बतौर जिला पंचायत सदस्य दिनेश

सिंह चौहान, समाजसेवी भाग्यश्री खरखडिया उपस्थित थी। मंदिर से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता मदन परमालिया एवं पं. भरत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नवरात्रि महोत्सव के अन्तर्गत माँ भवानी प्राचीन मंदिर में दर्शन के लिए जिले, शहर, प्रदेश और देशभर से कई भक्तों का तांता लगा रहा। माताजी के प्रतिदिन तीन रूप में दर्शन होते हैं। प्रतिमाह की नवमी के दिन बाल 101 कन्याओं का पाद-पूजन किया गया। नवरात्रि के समापन और बारस तिथि पर महाप्रसादी का वितरण किया गया। मंदिर के पुजारी पं. बालकृष्ण शर्मा एवं मंदिर से जुड़े भक्तों का प्रयास है कि माता मंदिर का जिर्णोद्धार हो जिससे सभी को लाभ मिले। इस मौके पर मदन परमालिया, पं. भरत शर्मा, बंटी शर्मा, जितेन्द्र सोलंकी, सुरेश परमार, कांतिलाल चौधरी, भास्कर शर्मा, गणेश वर्मा आदि भक्तगण उपस्थित थे।

वाल्मीकि कालोनी सुखलिया संघ द्वारा चारो पंचायतो के नियुक्त पदाधिकारीयो का किया स्वागत

गजानंद सुनहरे

इंदौर । शहर के चारों पंचायत द्वारा नियुक्त महर्षि वाल्मीकि जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष चौधरी राजेश करोसिया राजा भैया संयोजक चौधरी लीलाधर करोसिया चौधरी शंकर चिंतामण कोषाध्यक्ष चौधरी मनोज सिरसिया जी चौधरी ओम अठवाल पटेल राकेश नरवाले चौधरी विजय फतरोड जी सम्मान स्वागत साफा बाधकर पुष्प माला पहनाकर सम्मान किया।

सेक्सीटर सेक्टर वाल्मिकी कॉलोनी सुखलिया रहवासी संघ इंदौर द्वारा आयोजित वाल्मीकि जयंती महोत्सव हेतु बनाए गए सभी पदाधिकारियो को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अशोक बाली,

सतीश छपरीबंद, मनोहर गोहर, हेमंत जावड़े बाबूलाल बारेसा, सुरेश बारेसा, लादुलाल बुरूट, राहुल भाटी, रामदास खैरालिया, रवि खैरालिया, महिपाल खैरालिया, मोहन छपरीवन, मनोहर सिरेसिया, रवि बारेसा, रवि बारेसा, किशन नकवाल, बाबूलाल सिरेसिया, राजेश सिरेसिया, कन्हैयालाल मोठ, गोपाल नाहर, राकेश कल्याणे / दीपू डागर, नीलेश बारेसा, मुकेश बारेसा, छितर बारेसा, सुरेश बंडवाल, राजू चावरिया, गुरुदयाल गोसर, श्रीमती शीला बाई गोसर, रतन बागड़ी, संभूलाल बारेसा, पप्पू लाल बारेसा, भेरू लाल सिंगोलिया, छोटू काकड़े, चेतन हंस, राजेश खैरालिया, दिलीप नकवाल, राजू भारती, देवालाल बारेसा, रामप्रकाश चावरिया, विनय करोसिया सहित

महाकाल मंडल नवदुर्गा उत्सव समिति वाल्मिकी कॉलोनी सुखलिया कार्यकर्ता रवि बारेसा, हेमराज सिरेसिया, विनोद सिरेसिया, रवि खैरालिया, शुभम मोठ, एल विशाल सिरेसिया, राकेश बारेसा, रितेश बुरूट, शुभम बारेसा, सुमित बारेसा, रितिक बारेसा, सुनील नकवाल, नरेश छपरीवन, सोनू छपरिवान, लखन सिरेसिया, नीलेश बारेसा, नरेन्द्र चावरिया, अजय भारती, अभिषेक नकवाल, धर्मेंद्र खैरालिया, पवन खैरालिया, ओम हंस, सोनू सिंगोलियाँ, बदल बारेसा, निहाल बारेसा, विकाश बागड़ी, लखन बागड़ी, गोविंद गोसर, शुभम गोसर, सुमित गोसर, छोटू काकडे सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे । संचालन रवि खेरालिया ने किया। । आभार रवि बारेशा ने माना।

गरबा करने वाली 101 कन्याओं का पादपूजन कर पुरस्कार वितरित

इन्दौर। नवरात्रि महोत्सव के समापन अवसर पर शहर के समीप ग्राम हरसौला में स्वंभू माँ भवानी प्राचीन मंदिर पर नवरात्रि महोत्सव के समापन पर छोटी-छोटी कन्याओं के गरबों के साथ पाद-पूजन किया गया। सभी कन्याओं को पुरस्कार वितरित किए गए। महाआरती के बाद प्रसादी वितरित की गई। मंदिर के पुजारी ज्योतिषा एवं भागवताचार्य पं. श्री बालकृष्ण शर्मा ने उपस्थित सभी भक्तों को माँ की महिमा के बारे में बताया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बतौर जिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह चौहान, समाजसेवी भाग्यश्री खरखडिया उपस्थित थी।

मंदिर से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता मदन परमालिया एवं पं. भरत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नवरात्रि महोत्सव के अन्तर्गत माँ भवानी प्राचीन मंदिर में दर्शन के लिए जिले, शहर, प्रदेश और देशभर से कई भक्तों का तांता लगा रहा। माताजी के प्रतिदिन तीन रूप में दर्शन होते हैं। प्रतिमाह की नवमी के दिन बाल 101 कन्याओं का पाद-पूजन किया गया। नवरात्रि के समापन और बारस तिथि पर महाप्रसादी का वितरण किया गया।

मंदिर के पुजारी पं. बालकृष्ण शर्मा एवं मंदिर से जुड़े भक्तों का प्रयास है कि माता मंदिर का जिर्णोद्धार हो जिससे सभी को लाभ मिले। इस मौके पर मदन परमालिया, पं. भरत शर्मा, बंटी शर्मा, जितेन्द्र सोलंकी, सुरेश परमार, कांतिलाल चौधरी, भास्कर शर्मा, गणेश वर्मा आदि भक्तगण उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा पर संस्था अग्रमंच का गरबा नाईट एवं दिवाली शॉपिंग कार्निवल का होगा आयोजन

इन्दौर। अग्रवाल समाज की अग्रणी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था अग्रमंच द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस इस वर्ष भी रंगारंग गरबा नाईट्स एवं दिवाली शॉपिंग कार्निवल का भव्य आयोजन संस्था की महिला सदस्यों के द्वारा हबलानी परिसर अपना स्वीट्स के पीछे, इन्दौर पर दिनांक 15 अक्टूबर 2024 मंगलवार आयोजित होने जा रहा है ।

जानकारी देते हुए संस्थापक दीपिका आशीष गोयल ने बताया कि, संस्था अपने स्थापना के पश्चात से ही लगातार कई सांस्कृतिक, सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन कर शहर में अपनी अलग पहचान बना चुकी है, संस्था द्वारा विगत 12 वर्षों की तरह इस वर्ष भी सदस्यों एवं समाजजन के बीच विभिन्न जागरूकता संदेश देते हुए रंगारंग गरबा नाईट्स एवं आगामी त्यौहारो को देखते हुए भव्य दिवाली शॉपिंग कार्निवल का आयोजन किया है

आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जिसमें बेस्ट गरबा मेल, बेस्ट गरबा फिमेल, बेस्ट गरबा कपल, बेस्ट गरबा चाइल्ड, बेस्ट ड्रेसअप मेल, बेस्ट ड्रेसअप फिमेल, बेस्ट ड्रेसअप चाइल्ड, बेस्ट ड्रेसअप कपल्स के साथ ही आरती थाली सजाओ प्रतियोगिता, गरबा तंबोला प्रतियोगिताऐं आयोजित की जावेंगी। गरबे के पश्चात भव्य महाआरती की जाएगी।

प्रजापति समाज के 100 युवा प्रतिभाओं को पुरस्कार और बुर्जुगों का सम्मान किया

इन्दौर श्री श्रीयादे प्रजापति बरदिया समाज का दशहरा मिलन समारोह कुम्हार खाडी मेन रोड़, प्रजापति धर्मशाला पर हुआ। प्रजापति समाज के प्रवक्ता महेश कश्यप ने बताया कि शिक्षा व समाज सेवा से जुड़े हुए प्रतिभाशाली सौ छात्र-छात्राओं के साथ समाज में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए बुजर्गो का आत्मीय सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को 10वीं, 12वीं व बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी के एवं कॉलेज स्तर ग्रेज्युएट, पोस्ट ग्रेज्युट, मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं प्रोफेशनल कोर्स के (प्रथम व द्वितीय) श्रेणी के छात्र-छात्रा के साथ तथा राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रतियोगिता आदि में भाग लेकर विजेता रहने वाले छात्र-छात्राओं के साथ समाज सेवा से जुड़े बुजुर्गो का भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले टाप विद्यार्थियों में शिवानी पिता दत्ते प्रजापति एम. एड में चारों सेमिस्टर में पूरे कॉलेज में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर हाल ही में भारत राष्ट्रपति द्वारा तीन गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ हुकुमचन्द कश्यप, मनोज सी. ए., मुन्नाभैय्या, पन्नालाल कश्यप, विजय कश्यप, प्रेमदास पहलवान, अजय प्रजापति, प्रहलाद कश्यप, प्रेमदास नेताजी, जगदीश कश्यप, संतोष कश्यप, लल्ली पटेल, बालकदास पटेल, मांगीलाल रेडवाल, रमेश गेंदालाल भगत आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन विशाल कश्यप ने किया।

सत्यशोधक समाज द्वारा रतन टाटा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

इंदौर। हाल ही में देश के लिए एक बुरी खबर आई थी... जिससे समूचे देश मे शोक की लहर दौड़ गई. जब जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 86 साल की उम्र में अंतिम सांस ली।

रतन टाटा की गिनती सबसे सफल बिजनेसमैन की लिस्ट में की जाती है और उनके नेतृत्व में टाटा ग्रुप ने देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में डंका बजाया. रतन टाटा ने 1991 में रुप की कमान अपने हाथ में ली थी और साल 2012 तक रतन टाटा कंपनी ने चेयरमैन बने रहे।

देश में रतन टाटा के अविस्मरणीय योगदान को देखते हुए सत्यशोधक समाज

अंतर्राष्ट्रीय के संयोजक सरदार के निर्देशानुसार इंदौर में सत्यशोधक समाज द्वारा स्वर्गीय श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सत्यशोधक समाज अंतर्राष्ट्रीय के राष्ट्रीय प्रभारी हुकुमचंद जादम सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव यादव काका की अगुवाई में रविवार शाम को इंदौर में एमजी रोड नगर निगम गेट के सामने स्थित मसीही वाचनालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस दौरान श्री टाटा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही उपस्थित वक्ताओं ने श्री रतन टाटा के भारतीय उद्योग जगत के साथ ही उनकी विशाल दानशीलता का भी जिक्र किया... इस अवसर पर मुख्य रूप से फादर पायस, वरिष्ठ पत्रकार हीरालाल वर्मा, हुकुमचंद जादम सैनी, सदाशिव यादव काका, कैलाशचंद्र साहू, रमेशचंद्र सैनी, राजेश यादव, महेंद्र बाली, देवेंद्र बिरगड़े, राहुल मांडले, यतींद्र चौहान, विजय धीमान, आशीष रातौर एवं इरफान मंसूरी उपस्थित थे।

19 को कार्यक्रम सुर जो मिल गए हैं प्रेस क्लब में

इन्दौर। इन्दौर प्रेस क्लब परिसर सभागृह में 19 अक्टूबर को शाम 7 बजे से स्वर अमृत संगीत अकादमी द्वारा सुरीला कार्यक्रम सुर जो मिल गए हैं भाग-12 आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रकाश शुजालपुरकर, राजेंद्र कुलकर्णी, साधना चौहान, पूजा बैसाखिया, पूर्णिमा तायड़े, कुशल फंसलकर, रोमशा कानूनगो, विनया मांजरेकर, देवयानी पांडे प्रस्तुति देंगे।

हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चयनित सूची में अपने नाम तलासने में परेशानी झेलना पड़ रही

सीतामऊ (मन्दसौर) । ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चयनित सूची में अपने नाम तलासने में भारी परेशानी झेलना पड़ रही है एवं जनपद एवं ग्राम पंचायत मुख्यालय में चक्कर काटने पड़ रहे हैं इस समस्या के निदान हेतु हर गांव पंचायत मुख्यालय एवं संबंधित ग्रामों में स्वीकृत आवास की सूची सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाना चाहिए । उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कई ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवेदन दे रखे हैं जो कि इस योजना के मापदंडों पर आधारित हैं सभी आवेदन एक साथ तो स्वीकृत तो नहीं हो सकते हैं । लेकिन उक्त योजना के प्रावधानों के अनुसार हितग्राहियों का चयन हो रहा है एवं स्वीकृत आवास की सूची ग्राम पंचायत स्तर पर बन रही हैं । इन हितग्राहियों के सामान्य पिछड़ा वर्ग अजा अजजा के सभी वर्गों के आवेदक सम्मिलित हैं विसंगति यह उभर रही है कि ग्राम पंचायत में स्वीकृत आवास की सूची संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय में जारी नहीं होने से ग्रामीण हितग्राही परेशान होकर इधर-उधर भटक रहे हैं तथा अपना नाम तलाशने में भारी पापड़ बेलने पड़ रहे हैं । इस संदर्भ में पूर्व जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री रमेश कोठारी का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास में जिले की हर ग्राम पंचायत मुख्यालय में एवं उनसे लगे ग्रामों में लगवाई जाए यह भी उल्लेख किया जावे की किस वर्ग को कितना प्रतिशत प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति में लिया गया है जिससे ग्रामीणों को बार-बार जनपद व ग्राम पंचायत के चक्कर नहीं काटना पड़े एवं ग्रामीणों को स्वीकृत आवास की जानकारी सुगमता से मिल सके ।

श्री मेड़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंदसौर द्वारा महाराजा अजमीढ़ देवजी जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा

मन्दसौर। श्री मेड़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंदसौर द्वारा महाराजा अजमीढ देवजी जयंती समारोह 17 अक्टूबर, गुरूवार को मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए श्री मेड़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कारूलाल सोनी, प्रदेश महामंत्री पृथ्वीराज सोनी, समाज के जिलाध्यक्ष एवं स्वर्णकला बोर्ड सदस्य अजय सोनी (कॉलोनाईजर), शहर पंचायत के अध्यक्ष अर्जुन डाबर, जनकूपुरा पंचायत के अध्यक्ष विजय सोनी मेलखेड़ावाला ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्री पशुपतिनाथ की पावन नगरी मंदसौर में श्री मेड़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के संस्थापक व आराध्य देव महाराजाधिराज अजमीड़ देवजी की जयंती पर 17 अक्टूबर, गुरूवार को दोप. 12.15 बजे विशाल शोभायात्रा माँ लालबाई फूलबाई चारभुजानाथ मंदिर शहर से निकाली जाएगी जो शहर किला रोड़, सराफा बाजार, सदर बाजार, घण्टाघर, कालाखेत, नयापुरा, नरसिंहपुरा होते हुए हाटकेश्वर भवन पहुंचेगी। शोभायात्रा के पूर्व चंवर झुलाने एवं कलश की बोली लालबाई फूलबाई मंदिर प्रांगण में लगाई जावेगी। शोभायात्रा में पुरूष वर्ग सफेद पोशाक व मातृशक्ति लाल चुनड़ी साड़ी पहनकर सम्मिलित होगी। शोभायात्रा का जगह-जगह समाजजन एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा। शोभायात्रा के पश्चात् हाटकेश्वर भवन में समाजजनों का स्नेह भोज आयोजित होगा।

श्रीमद् भागवत गीता के श्लोक एवं कड़ी मेहनत ही सफलता के सूत्र

भानपुरा (मन्दसौर) । यदि अपने सपने पूरे करने हो तो श्रीमद् भागवत गीता के श्लोक को जीवन एवं व्यवहार में उतारकर हमें कड़ी मेहनत प्रारंभ कर देना चाहिए। एक सफलतम व्यक्ति हमेशा सिद्धांत एवं अनुशासन का पालन करता है। उक्त विचार गूगल के एसोसिएट प्रिंसिपल ज़्यूरिक स्वीटजरलैंड में कार्यरत भानपुरा नगर के गौरव - अर्पित तिवारी सुपुत्र सतीश तिवारी ने श्रीमती कमला सकलेचा ज्ञान मंदिर में आयोजित %मिनी फाउंडर्स डे% कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा %आर्ट क्राफ्ट एंड साइंस% विषय पर आयोजित एक प्रदर्शनी के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। अर्पित विद्यालय के पूर्व होनहार छात्र रहे हैं जिन्हें विद्यालय के संस्था प्रमुख शरद सकलेचा एवं पूर्व सचिव स्वर्गीय विजय कुमार भंडारी जी का खूब आशीर्वाद प्राप्त हुआ। अंग्रेजी माध्यम में इसी विद्यालय में शिक्षा अर्जित की एवं अपनी यादों को ताजा किया ।इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक चंद्रशेखर तिवारी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि अर्पित तिवारी का परिचय देते हुए बताया कि उन्होंने इसी विद्यालय में कड़ी मेहनत करके देश-विदेश में अपना और अपने नगर का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों का उत्कृष्ट मार्गदर्शन करने के लिए विद्यालय की चेयरपर्सन नीति सकलेचा, सचिव प्रतिभा सकलेचा, एवं संस्थापक शरद सकलेचा ने अर्पित को विद्यालय में पहुंचकर छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए धन्यवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रठाना में निःशुल्क साइकिल वितरण की गई

मन्दसौर । हायर सेकेण्डरी स्कूल रठाना में बाहर गांव से आने वाले छात्राओं को शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा द्वारा छात्रों को माला पहनाकर साइकिल प्रदान की गई। उन्होनें कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजना में इस योजना का उद्देश्य है कि छात्र-छात्राएं विशेष कर बालिकाएं अपनी पढ़ाई बीच में नहीं छोड़े अपने गांव के समीप के हायर सेकेण्डरी स्कूल में जाकर अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रख सकेगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय के प्राचार्यशिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बालिकाएं उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, तीन संस्थानों से लिए मावे के सेम्पल

मंदसौर। जिला कलेक्टर के निदेर्शानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 14 अक्टूबर सोमवार को कार्यवाही के दौरान तीन संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

श्री राममोहन हॉस्पिटल का एक साल मरीजों के उपचार के लिए बेहतर रहा

मंदसौर । श्री राममोहन हॉस्पिटल ने मंदसौर जिले व मालवा अंचल में उपचार के क्षेत्र में सफलता के साथ अपना पहला वर्ष पूरा किया । हॉस्पिटल की पहली वर्षगांठ पर पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर अस्पताल की एक साल की उपलब्धियां और क्रिटिकल मामलों के बारे में जानकारी दी गई। डॉक्टर विनोद बाधरा ने वेंटीलेटर के बारे में तकनीकी जानकारियां साझा कीं और बताया कि कैसे उन्होंने सीपीआर जागरूकता कैंप के जरिए मंदसौर की जनता को जागरूक किया।

डा. सौरभ पांडे ने अस्पताल की सफलता की चर्चा जैसे मुश्किल सर्जरी, हाई रिस्क प्रेगनेंसी, और जहर के क्रिटिकल मामले के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि यह सफलता उनकी टीम, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की वजह से मुमकिन हो पाई है, जिन्होंने इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल ने अपने मरीजों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की जिन्होंने उन पर विश्वास किया और सेवा का अवसर प्रदान किया। इस अवसर को मनाने के लिए, श्री राम मोहन क्रिटिकल केयर

एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने 14 से 19 अक्टूबर 2024 तक सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक निःशुल्क एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श और उपचार की सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें शामिल हैं - जनरल लेप्रोस्कोपिक एवं एनोरेक्टल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. सौरभ पांडेज़ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा शिंदे, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक जैन, श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति लोचब, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र वर्मा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ ऋ षभ शुक्ला, शिविर के दौरान उपलब्ध सेवाएँ :- हर्निया, पाइल्स, फिशर एवं हाइड्रोसिल सर्जरी मात्र रुपए 15000 /- में की जाएगी।नि : शुल्क सोनोग्राफी गर्भवती महिलाओं के लिए , बच्चेदानी का ऑपरेशन मात्र रुपए 15000/-में, कुल्हा व कंधे का एक्सरे नि : शुल्क, घुटना व कुल्हा प्रत्यारोपण सर्जरी मात्र रुपये 40000/- में (इंप्लांट अतिरिक्त), फेफड़ों की जांच मात्र रुपए 100/- में, 16 एवं 18 अक्टूबर को विशेष फाइब्रोस्कैन द्वारा लीवर की निःशुल्क जांच, 14, 16, 17 एवं 19 अक्टूबर को बोन डेंसिटी टेस्ट द्वारा हड्डियों की नि : शुल्क जांच, यह शिविर मंदसौर की जनता को उन्नत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। वाकई, श्री राममोहन हॉस्पिटल का क्रिटिकल केयर का एक साल बेहतर रहा।

जिले में अब तक 905.9मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मन्दसौर । जिले में इस वर्ष अबतक औसतन 905.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जबकि पिछले 24 घन्टों में मंदसौर जिले मे9.1 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में मंदसौर में 10.0मि.मी., सीतामऊ में मि.मी. 14.8 सुवासरा में 5.0मि.मी., गरोठ में 4.8मि.मी., भानपुरा में 9.6मि.मी., मल्हारगढ़ मे 16.0मि.मी., धुधंडका में10.0मि.मी., शामगढ़ में 6.4मि.मी., संजीत में 3.0मि.मी., कयामपुर में 2.0मि.मी. एवं भावगढ़ में 19.0मि.मी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। विगत 1 जून से अबतक वर्षामापक केन्द्र मंदसौर में 806.0मि.मी., सीतामऊ में 933.9मि.मी. सुवासरा में 973.0मि.मी., गरोठ में 878.5मि.मी., भानपुरा में 805.8मि.मी., मल्हारगढ़ मे 899.0मि.मी., धुधंडका में 938.0मि.मी., शामगढ़ में 1183.8मि.मी., संजीत में 758.0मि.मी., कयामपुर में 815.6मि.मी. एवं भावगढ़ में 973.9वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। गांधीसागर बांध का जल स्तर अब तक 1311.63 फीट है।

विनर क्लब ने आयोजित की रंगों की प्रतियोगिता रंगोली भव्या प्रथम, गुंजन द्वितीय एवं प्राची तृतीय रही

मंदसौर। नगर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था विनर क्लब मातृशक्ति ग्रुप द्वारा दीप पर्व के पूर्व अग्रसेन मांगलिक भवन में रंगों की प्रतियोगिता रंगोली आयोजित की गई। जिसमें 16 महिलाओं/बालिकाओं विभिन्न रंगों से आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिसमें प्रथम सुश्री भव्या पालीवाल, द्वितीय सुश्री गुंजन जैन एवं तृतीय सुश्री प्राची कुमावत रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेविका श्रीमती ज्योति गुप्ता, चाष्टा सेवा संस्था संस्थापक श्रीमती चंदा चाष्टा, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अनिता जोशी, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती निर्मला पारीख उपस्थित रही। इस दौरान निर्णायक श्रीमती रेखा पोरवाल, श्रीमती दीप्ति व्यास, सुश्री आशी गोयल, सुश्री भावना लोहार, विनर क्लब मातृशक्ति वाहिनी की वरिष्ठ सुनीता कुमावत, मधु नाराणिया, शशि झलोया भी मंचासीन थी। सभी अतिथियों को पुष्पमाला पहनाकर क्लब की मातृशक्ति ने स्वागत किया। तथा निर्णायक को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता से बच्चों में छिपी प्रतिभा मुखरित होती है। रंगोली में जिस तरह कई रंगों का समावेश होता है तो एक सुंदर आकृति बनती है उसी तरह बच्चों के जीवन को अनुशासन, ईमानदारी व सत्यनिष्ठा के रंगों में पिरोने की जरूरत है। तब एक सुंदर, आदर्श नागरिक बनेगा। विनर क्लब ऐसे आयोजन कर रंगोली कला के प्रति सभी को प्रोत्साहित कर रहा है। प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्दजी के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् उपस्थित प्रतियोगियों ने रंगोली के रंगों से आकर्षक आकृतियां उकेरी। ये रही विजेता-जिसमें प्रथम सुश्री भव्या पालीवाल, द्वितीय सुश्री गुंजन जैन एवं तृतीय सुश्री प्राची कुमावत रही। शेष प्रतिभागी तन्नु कुमावत, सरिता सेठिया, लता मोरवानी, शुभता पंवार, मोनिका पंवार, कोमल कुमावत, ज्योति अग्रवाल, अनुष्का कुमावत, अनन्या गुप्ता, नेहा गुप्ता, आरती गुप्ता, प्रियांशी गेहलोद को भी सांत्वना पुरस्कार भेंट किये गये।

अतिथि परिचय निशा कुमावत ने दिया। स्वागत उद्बोधन मातृशक्ति वाहिनी की अध्यक्ष शुभा मुंगड़ ने दिया। युनिक क्रिकेट अकादमी के कोच नवीन खोखर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर शशि झलोया, निशा कुमावत, मालती गेहलोद, समता गुप्ता, मधु नारायणिया, सुधा मुंगड़, सुनिता कुमावत, सीमा चौरडिया, पूजा ठाकुर, ममता पालीवाल, अंगुरबाला जैन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीमा चौरडिया ने किया एवं आभार मालती गेहलोद ने माना। उक्त जानकारी पूजा ठाकुर ने दी।

201 दीपक से होगी बालाजी की महाआरती, 151 थालों में सजेगा 56 भोग

मन्दसौर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर देव दिवाली 30 अक्टूबर को भगवान बालाजी महाराज के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में 56 भोग लगाया जाएगा तथा 201 दीपक से विशाल शाही महाआरती की जावेगी। इस दौरान मंदिर क्षेत्र को भगवा पताकाओं व झीलमिलाती विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि दिनांक 30 अक्टूबर देव दिवाली पर प्रातः 11.30 बजे 151 थालों में 56 पकवान सजाकर बालाजी को भोग लगाया जाएगा। तत्पश्चात् सायं 7 बजे 201 दीपक से महाआरती की जाएगी। जिसमें न्यू किशोर बैंड के 101 साथी मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। महाआरती की शोभा अजयमेरू के ढोल, उज्जैन की तोप व ताशे, अहमदाबाद की शहनाई व मंदसौर के 151 ढोल बढ़ायेंगे एवं इस दौरान भव्य रंगारंग आतिशबाजी भी की जाएगी।

मंदिर समिति के विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, विनोद रूनवाल, जितेंद्र व्यास, दिनेश जोशी ऊँ शांति, वर्दीचन्द कुमावत, राजाराम तंवर, कमल कण्डारे, हेमंत सुरा, चोथमल शर्मा, अनूप माहेश्वरी, अनिल सुराह, महेंद्रसिंह सिसोदिया, सज्जनलाल खमेसरा, कपिल सोलंकी, हरीश साल्वी ने सभी बालाजी भक्तों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

चाईल्ड फ्रें डली कोर्ट में पदभार ग्रहण समारोह संपन्न हुआ

सीतामऊ (मन्दसौर) । सोमवार को न्यायालय परिसर में चाईल्ड फ्रेंडली कोर्ट में पदभार ग्रहण करने का गरिमामय समारोह प्रधान न्यायाधीश कपिल मेहता मंदसौर के मुख्य अतिथि में एवं सीजीएम प्रवीण सिंह सोंधिया मंदसौर के विशेष आथित्य में संपन्न हुआ । समारोह में अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय मंदसौर के न्यायाधीश श्री भूपेंद्र सिंह वर्मा ने इस न्यायालय में न्यायाधीश का पदभार ग्रहण किया । अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्यामनारायण जोशी एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया । स्वागत उद्बोधन में संघ के अध्यक्ष श्री जोशी ने दिया अतिथियों ने इस न्यायालय की महानता पर विस्तार से प्रकाश डाला । समारोह में आमंत्रित वरिष्ठ जन भी मौजूद थे । इस न्यायालय में कुल 491 प्रकरण स्वीकृत हुए हैं । जिनकी सुनवाई होने से पक्षकारों को राहत मिलेगी । उल्लेखनीय है कि यहां उक्त न्यायालय की लंबे समय से मांग की जा रही थी जिसको लेकर अभिभाषक संघ द्वारा समय-समय पर आंदोलन भी किए गए एवं प्रतिनिधि मंडल के रूप में उच्च न्यायालय के न्यायधीश से चर्चा भी की पहले इस न्यायालय से संबंधित प्रकरणों में पक्षकारों को बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर काटना पढ़ते थे ।

नाहरगढ़ में निकली झिलमिलाती आकर्षक झांकिया, अखाड़ों द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाये गए

नाहरगढ़ (तुलसीराम राठौर) । एकादशी पर ग्राम पंचायत नाहरगढ मे दशहरे पर्व के दुसरे दिन विशाल झांकीयो का चल समारोह नगर मे निकाला गया । नाहरगढ़ में यह परम्परा है इसका संचालन श्री नानकिया बाग हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान मे होता आ रहा है । परम्परा को आगे लाने के लिए नगर के दो भाई मुकेश गिरी गोस्वामी व ओम गिरी गोस्वामी के आर्थिक सहयोग से प्रत्येक झांकी बनाने वाली समिति को प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम दीया जाता है।

यह प्रेरणा समाजसेवी स्वर्गीय बाबुलाल सुराणा से दोनो भाई ने लेकर इस ऐतिहासिक परम्परा को आगे बढ़ाया है । उसी कारण से झांकीयो की संख्या कम नही हुई है तथा 15 वर्ष से प्रत्येक झांकी को सहयोग समाजसेवी ओम गिरी गोस्वामी ईनाम स्वरूप रूपए 7001/द्व का सहयोग प्रदान करते है । इस वर्ष भी 10 दस झांकी, एक अखाडे एवं डीजे व ताशे आकर्षण का केन्द्र रहे । नगर मे अनेक जगह-जगह पर दानदाताओ के सहयोग से चाय ,दुध,खीर , फलीहारी,पोहे व पानी की व्यवस्था रही । आयोजन मे नगर व अंचल के महिला-पुरुष बडी संख्या मे उपस्थित हुए। सभी ने अच्छे आयोजन की सराहना की है। पुलिस थाना नाहरगढ टीआई प्रभात गौड के मार्गदर्शन मे पुलिस स्टाफ टीम व राजस्व विभाग के पटवारी एवं चौकीदार और विधुत विभाग के लाईन मेन मुस्तैद रहे । इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमति प्रियंका गोस्वामी ने कहा की इस परम्परा को मिल जूल कर व परिवार मे एकजुट होकर सभी इस संस्कृति को मनाते है । वासुदेव कुटुंब की भावना के साथ झांकियो का आयोजन होता है । श्री नानकिया बाग हनुमान मंदिर समिति व समस्त ग्रामवासी एवं दानदाताओ के सहयोग से भव्य आयोजन होता आ रहा है ।

तहसीलदार श्री शर्मा व टीआई श्री दांगी का सम्मान किया

भानपुरा (मन्दसौर) । नगर भानपुरा में संपन्न विजयादशमी दशहरा पर्व 12 अक्टूबर पर पुलिस व प्रशासन द्वारा दशहरा मैदान एवं उचित पार्किंग सहित शोभायात्रा में सुनियोजित ढंग से पुलिस तथा प्रशासन की असरकारक उपस्थिति, नियंत्रण तथा उम्दा सेवाओं के चलते सार्वजनिक दशहरा पर्व बेहतर तथा भव्य रूप से बिना किसी व्यवधान के सो उल्लास सम्पन्न होने पर दशहरा उत्सव समिति एवं श्री सनातन धर्म मंडल भानपुरा के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने सोमवार 14 अक्टूबर को तहसील कार्यालय में तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा एवं पुलिस थाने में नवागत थाना अधिकारी रमेश चंद दांगी का शाल श्रीफल व पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर सनातन धर्म मंडल भानपुरा के अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सोनी, पूर्व अध्यक्ष लालचंद रुद्रवाल, वरिष्ठ सदस्य व पूर्व सचिव डॉ राजेन्द्र कुमार दुबे, दशहरा उत्सव समिति अध्यक्ष अनिल कुमार राठौर, पूर्व

बंजरग दल संयोजक व मार्गदर्शक पवन कुमार उपाध्याय तथा संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह हाड़ा उपस्थित थे।

आशा/आशा सुपरवाईजर कर्मचारी महासंघ ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम दिया 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन

मन्दसौर। आशा/आशा सुपरवाइजर कर्मचारी महासंघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) जिला इकाई मंदसौर द्वारा महासंघ के राष्ट्रव्यापी आव्हान के तहत 14 अक्टूबर को आशा/आशा सुपरवाईजर की समस्याओं के सम्बन्ध में महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती भारती सोलंकी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन जिलाधीश प्रतिनिधि संयुक्त कलेक्टर स्वाती तिवारी को ज्ञापन दिया गया।

महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती भारती सोलंकी ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन देश में लगभग 11 लाख आशा वर्कर्स एवं लगभग 1 लाख आशा सुपरवाईजर कार्यरत हैं, इसमें से मध्यप्रदेश में लगभग 85 आशा वर्कर्स एवं आशा सुपरवाईजर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों के स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी सर्वे टीकाकरण, स्वच्छता, जच्चा-बच्चा देखभाल संस्थागत प्रसव कराने के अलावा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित 4 दर्जन से अधिक पदों में कार्य करती है जिसके लिए इन्हे कोई मानदेय अथवा वेतन नहीं दिया जाता बल्कि अल्प प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। इस अवसर पर महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष भारती सौलंकी, जिला संयोजक संतोष साल्वी, जिलाध्यक्ष रेखा बैरागी, संगठन कोषाध्यक्ष निधि पारिख, अमोलक जोशी, ललिता वप्ता, अन्नपूर्णा धूलिया, अनु अहिरवार, मुनव्वर सुल्ताना खान, दर्शना चावड़ा, मोना कहार आदि अन्य आशा बहने उपस्थित रही।

शासकीय उमावि अफजलपुर में निःशुल्क सायकिल वितरण हुआ

अफजलपुर । शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अफजलपुर में निःशुल्क सायकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधि बसन्त शर्मा अध्यक्ष जनपद पंचायत मन्दसौर व भाजपा मंडल अध्यक्ष धुंधडका जीवन शर्मा तथा सुभाष जैन जनपद प्रतिनिधि की उपस्थिति में आयोजन हुआ। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती का पूजन किया गया। स्वागत प्राचार्य उदबोधन संस्था शंकरलाल आंजना द्वारा दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय की सभी छात्र व छात्रा उपस्थित थे।अतिथियों द्वारा 35 बालिकाओं व बालको को निःशुल्क सायकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक राधेश्याम व्यास ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिका गणपत लाल शर्मा,गोपाल वीर,भेरूसिंह डांगी, जितेंद्र कुमावत, विश्वास पारिख,देवेंद्रसिंह डांगी, नरेंद्र सुरोलिया,शीतल पाटीदार, रघुवीर सिंह राठौर, जयेश भावसार, समर बी, ममता प्रजापत, रीना पाटीदार, रंजना राणावत उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्राचार्य शंकरलाल आंजना ने माना ।

विश्वकर्मा समाज की बैठक हुई

चौमहला । विश्वकर्मा समाज ने कान्हा रेस्टोरेंट पर बैठक का आयोजन किया गया ,बैठक में समाज के द्वारा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव को लॉटरी सिस्टम से चुना गया नवनिर्वाचित क्षेत्र के अध्यक्ष शिवलाल विश्वकर्मा बिलावली,उपाध्यक्ष मोहन लाल सेदरा,मदनलाल रावण गुराड़ी उपाध्यक्ष,कोषाध्यक्ष किशोर विश्वकर्मा पाड़लिया,उपाध्यक्ष ईश्वर विश्वकर्मा देवरिया कावल,सचिव कुंदन विश्वकर्मा सुनारी सभी पदाधिकारी को समाज के द्वारा माल्यापर्ण कर साफ बंधवाया !समाज के सभी वरिष्ठ समाज सेवी एवम पूर्व अध्यक्ष प्रकाश जांगिड़, रामचंद्र विश्वकर्मा, गोवर्धन लाल विश्वकर्मा ने समाज को नई दिशा देने की बात कही ,आयोजन में भोजन की व्यवस्था कान्हा रेस्टोरेंट कन्हैया विश्वकर्मा चौमहला की ओर से रखी गई मंच संचालन जगदीश विश्वकर्मा के द्वारा किया गया आयोजन में चौमहला एवम समस्त ग्रामीण क्षेत्र के समाज बंधु उपस्थित रहे।

विचार प्रवाह

डिजिटल हाउस अरेस्ट क्या है और इससे बचाव के उपाय

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए वीडियो कॉल या ऑनलाइन निगरानी के जरिए गिरफ्तारी करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। अगर आपको ऐसे कॉल आते हैं, तो यह एक स्पष्ट घोटाला है। डिजिटल गिरफ्तारी जैसा कोई प्रावधान कानून में नहीं है।

इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि के साथ डिजिटल युग ने हमें हैरतअंगेज सुविधाएं तो प्रदान की हैं, लेकिन इसने साइबर अपराधियों के एक नए वर्ग को भी जन्म दिया है जो परिष्कृत तकनीकी जालसाजी का उपयोग कर मासूम लोगों को ठगते हैं। साइबर खतरों के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, सबसे खतरनाक और भयावह घोटालों में से एक ÷डिजिटल हाउस अरेस्ट÷ एक ऐसा सोशल इंजीनियरिंग घोटाला है, जिसमें साइबर अपराधी कानून प्रवर्तन अधिकारियों का छद्म रूप धारण कर फोन कॉल, ईमेल या सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से अपना शिकार चुनते हैं। कूटरचित दस्तावेजों और बलपूर्वक उपायों के माध्यम से लोगों की अज्ञानता और कमज़ोरियों का फ़ायदा उठाते हैं।

कॉल पर आते ही कॉल करने वाला आपको डराने के लिए सरकारी वेशभूषा में अपराध की गंभीरता के बारे में चेतावनी देते हुई उससे जुड़े सजा के प्रावधानों के बारे में कानूनी भाषा में बढ़ा चढ़ाकर बताता है। और गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कहता है। कॉल के दौरान, घोटालेबाज जाली पहचान पत्र या अदालती दस्तावेज दिखाकर पीड़ित को और अधिक डरा सकता है। एक बार आप डर गए तो वो आपको गिरफ्तारी की धमकी देते हुए और अधिक डराते हैं। स्थिति को अपने नियंत्रण में रखने के लिए, पीड़ितों को अक्सर वीडियो कॉल पर लंबे समय तक रहने के लिए कहा जाता है। इससे उनके शिकार किसी बाहरी सहायता या सच्चाई की जांच करने से वंचित हो जाते हैं।

आम जनता को यह जानकारी होना जरूरी है कि सम्पूर्ण विश्व में कहीं भी ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, जो %डिजिटल गिरफ्तारी% की अनुमति देता हो। गिरफ्तारी एक औपचारिक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता होती है और सख्त कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, घोटालेबाज नकली डिजिटल गिरफ्तारी वारंट या तत्काल कानूनी कार्रवाई की धमकी जैसी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में फंस भी जाते हैं।

ये घोटालेबाज अपने संभावित शिकार को मजबूर करने के लिए डर और तत्परता पर भरोसा करते हैं अत- सबसे पहले तो ऐसी कॉल मिलते ही घबराएं बिल्कुल भी नहीं, उत्तेजित भी ना हों और चौकस दृष्टिकोण बनाए रखें। अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्थिति का शांति से आकलन करने के लिए कुछ समय निकालें। कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान सत्यापित करें, यदि कोई कानून प्रवर्तन एजेंसी से होने का दावा करता है, तो वीडियो कॉल पर संलग्न न हों या कोई पैसा ट्रांसफर न करें। उनकी पहचान का प्रमाण मांगें और आधिकारिक स्रोतों से क्रॉस-चेक करें।

इस कॉल के दौरान व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें, कभी भी फोन या वीडियो कॉल पर संवेदनशील व्यक्तिगत या वित्तीय विवरण साझा न करें, खासकर अज्ञात नंबरों के साथ। वीडियो कॉल या चैट प्लेटफ़ॉर्म की जाँच करें, असली सरकारी एजेंसियाँ आधिकारिक संवाद या गिरफ्तारी के लिए वाट्सएप, ज़ूम या स्काइप जैसे एप प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग नहीं करती हैं। डर को अपने निर्णय पर हावी न होने दें। अगर आप दबाव या धमकी महसूस करते हैं, तो तुरंत कॉल काट दें और दोबारा उनकी कॉल नया उठायें।

संदिग्ध कॉल की तुरंत रिपोर्ट करें, अगर आपको कोई संदिग्ध कॉल आती है, तो तुरंत अपने स्थानीय पुलिस थाने में या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in/ पर इसकी रिपोर्ट करें। साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करके सहायता मांग सकते हैं। इनके अलावा भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In) https://www.cert-in.org.in/ और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा गठबंधन https://staysafeonline.org/ से भी संपर्क कर सकते हैं।

राजकुमार जैन, एआइ विशेषज्ञ

बाबासाहेब ने करोड़ों लोगों को दिखाई मुक्ति की नई राह

इंदौर। चक्रवर्ती सम्राट अशोक विजयदशमी के पवित्र पावन अवसर पर भारत के करोड़ों शोषित, वंचित और पिछड़े समाज के मसीहा, आधी आबादी के उद्धारक भारतरत्न परम पूजनीय बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जन्मभूमि स्मारक पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष भंते प्रज्ञाशील जी की अगुवाई में समिति सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओ, आंबेडकर अनुयायियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पावन अस्थि कलश और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामूहिक बुद्ध वंदना की गई और श्रमदान किया गया।

विदित हो कि इसी दिन 14 अक्टूबर पर नागपुर में बाबासाहेब आंबेडकर जी ने भव्य समारोह में अपने पुराने धर्म को त्यागकर बौद्ध धर्म को अपना लिया था और समाट अशोक के बाद देश में सनातन धर्म को पुर्नस्थापित करने वाले महामानव बने।

इस दिन बाबासाहेब के साथ उनके 5 लाख से ज्यादा अनुयायियों ने भी बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की। ये जगह दीक्षाभूमि के नाम से प्रसिद्ध है जहां पर प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में लोग बाबा साहब अंबेडकर जी को नमन करने आते हैं।

बौद्ध इतिहास में इसी दिन महान सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध में विजय प्राप्ति के दसवें दिन युद्ध की भयंकर त्रासदी से व्याकुल मन को शांत करने का प्रण किया और प्रायश्चित स्वरूप तथागत बुद्ध के शरणागत हो गए।

शांति, सद्भाव के आगाज के रूप में इसी दिन को देशभर में सम्राट अशोका विजयादशमी या दशहरा के रूप में मनाया जाता है।

देश के करोड़ों लोगों की सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक प्रगति और विकास में इस विशेष दिन की सर्वोच्च मान्यता है।

नागपुर स्थित दीक्षाभूमि पर इस दिन और 14 अक्टूबर के दिन देश के कोने कोने से लाखो अनुयाई नमन करने प्रतिवर्ष पहुंचते है।

जातिगत दलदल से बाहर निकालने और शांति, करुणा, मैत्री का धम्म देकर भय, आडंबरमुक्त खुशहाल जीवन के लिए बाबासाहेब के जीवन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी हजारों की संख्या में पहुंचकर लोग अपनी कृतज्ञता अर्पित करते हैं।

इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष राजेंद्र वाघमारे, श्रीमती स्नेहलता कर्डक, जगनराव वानखेड़े, राहुल हिवरे, प्रकाश मुक्किकर, सामाजिक कार्यकर्ता दिनकरराव अंभोरे, मनीष हिवरे, भास्कर हेरोडे सहित बड़ी संख्या में अम्बेडकर अनुयायियों ने माल्यार्पण कर नमन किया।

उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजू कुमार अंभोरे ने दी।

मध्य प्रदेश में घर का सपना होगा आसान

मोहन यादव सरकार ने नियमों में किए बड़े बदलाव

इंदौर। यदि आपके पास अपना घर नहीं है, तो जल्द ही आपका यह सपना पूरा होना आसान हो जाएगा. प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का नया चरण जनवरी माह से शुरू होने जा रहा है. इसके तहत शहरी इलाके में 3 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वालों को सरकार पीएम आवास योजना का लाभ देगी।

ने बदली शर्तें

वहीं 6 लाख और 9 लाख सालाना तक की आय वालों को भी अलग-अलग श्रेणी में लाभ दिया जाएगा. वहीं ग्रामीण इलाकों में भी पीएम आवास योजना के तहत लाभ देने के लिए नए सिरे से सर्वे का काम शुरू हो गया है. ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके, इसके लिए सरकार ने कई शर्तें बदल दी गई है।

ग्रामीणों के लिए सरकार

ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से पिछले बार कई लोगों के नाम हटा दिए गए थे, क्योंकि वे इसके दायरे में नहीं आ रहे थे, लेकिन अब सरकार ने इसमें कई बदलाव किए हैं. इससे अब बाकी ग्रामीण भी इस योजना का लाभ ले सकेंगे. पीएम आवास में चार शर्तों को बदल दिया गया है. अभी तक जिनके पास बाइक होती थी, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं थे, लेकिन अब बाइक के नियम को हटा दिया गया है. पहले 10 हजार से ज्यादा कमाई करने वालों को इस योजना के लिए पात्र नहीं माना गया था, लेकिन अब इसकी सीमा को बढ़ाकर 15 हजार रुपए कर दिया गया है. अब 15 हजार रुपए की कमाई वाले भी पीएम आवास का लाभ ले सकेंगे।

एमपी के लोगों को मिलेगा घर

इसके साथ ही पहले मोबाइल फोन वालों को पीएम आवास का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन अब इस नियम को भी हटा दिया गया है. इसके अलावा अब ऐसे किसान जिनके पास ढाई एकड़ तक सिंचित और 5 एकड़ तक असिंचित जमीन है. उन्हें पीएम आवास का लाभ मिल सकेगा.

मोहन सरकार घर जाकर करेगी रजिस्ट्री

उधर प्रधानमंत्री आवास का शहरी इलाकों में लाभ दिए जाने को लेकर ड्राफ्ट सर्वे का काम शुरू हो गया है. शहरी इलाकों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में तीन लाख रुपए तक की आमदनी पर पीएम आवास का लाभ मिलेगा. यदि आय 6 लाख रुपए सालाना तक है, तो ऐसे लोग एलआईजी आवास के पात्र होंगे. इसके अलावा 9 लाख रुपए तक की आय पर एमआईजी आवास में 4 फीसदी ब्याज में अनुदान मिलेगा. यह करीबन 1 लाख 80 हजार रुपए तक होगा।

समाजसेवी नितिन रघुवंशी घर घर पहुंचा रहे निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

इंदौर। समाजसेवी नितिन रघुवंशी द्वारा चलाया जा रहा है। इसमें निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही सभी प्रकार की जांचें निःशुल्क करवाई जा रही हैं। निःशुल्क दवाएं भी दी जा रही हैं।अभी तक इंदौर, उज्जैन, देवास, भोपाल और इनके आसपास के करीब 500 गांवों में समाजसेवी नितिन रघुवंशी की टीम पहुंच चुकी है। इस काम के लिए 20 टीम बनाई है एक टीम 6 लोग हैं इसमें किसी को ज्यादा गंभीर बीमारी रहती है, तो समाजसेवी नितिन रघुवंशी की टीम द्वारा उनका हॉस्पिटल ले जाकर निःशुल्क इलाज कराया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा घर-घर में ईसीजी जांच की व्यवस्था, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हृदय विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ, शिशु विशेषज्ञ, छाती और श्वास विशेषज्ञ नेत्र विशेषज्ञ ,नाक कान गला विशेषज्ञ, हड्डी विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजी सेंटर,सोनोग्राफी, एक्स-रे और भी जांचे दी जा रहीं है निःशुल्क जांच एवं दवाइयां आदि की सेवाए नागरिकों को दी जा रही है। स्वास्थ्य शिविर मे इंदौर ओर भोपाल से आये 50 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं लगभग 70 पेरामेडिकल स्टाफ द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही है।

मेधावी स्टुडेंट्स होंगे सम्मानित

इंदौर। 2023-24 परिक्षा परिणामों में सर्वोच्च अंक लाने वाले इंदौर, खंडवा व ब्यावरा के बोहरा समाज के कुल छह मेधावी स्टुडेंट्स का सम्मान के लिए चयन हुआ है। यह जानकारी देते हुए शिक्षित भारत विकसित भारत के संयोजक असगर फिदवी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चयनित मेधावी स्टुडेंट्स में इंदौर के मोहम्मद रावती वाला व जुजर आगर वाला को सिल्वर पदक, अली मुरब्बी एवं अमतुल्लाह हैदरी को कांस्य पदक के साथ हुसैना अली (खंडवा) व अमतुल्लाह सैफी ब्यावरा (जिला राजगढ़) को गोल्ड पदक व प्रमाणपत्र प्रदान कर अमेरिकन फेडरेशन ऑफ मुस्लिम्स ऑफ इंडिया ओरिजिन संस्था द्वारा सम्मानित किया जाएगा। संस्था के प्रदेश संयोजक नियज अहमद ने बताया कि यह संस्था प्रतिवर्ष देशभर में मेरिट के आधार पर अल्पसंख्यक मेधावी स्टुडेंट्स को अवार्ड देकर सम्मानित करती है। सम्मान समारोह आगामी दिसंबर माह में अहमदाबाद के निकट नंदासन में आयोजित होगा।

प्रदेश के 1323 निजी और सरकारी कॉलेजों में यूजी-पीजी की 50 प्रतिशत सीटें खाली

10.39 लाख सीटों में से 5.04 लाख पर विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

इंदौर। मप्र के 1326 सरकारी और निजी कॉलेजों में इस बार 50 फीसदी सीटें खाली रह गई है। मप्र उच्च शिक्षा विभाग के काफी प्रयास के बाद भी सीटों को भरने में कामयाबी नहीं मिली। 1326 कॉलेज में यूजी-पीजी की करीब 10.39 लाख सीटें हैं। जिसमें 5.04 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

ऑनलाइन प्रवेश में जब छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई तो उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज लेवल काउंसलिंग करवाई जिसमें भी छात्रों ने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और ज्यादातर सीटें खाली गई।

इधर मध्य प्रदेश के कॉलेजों में पहली बार पीजी के साथ यूजी के चतुर्थ वर्ष (ऑनर्स) में प्रवेश देने की व्यवस्था भी हुई है। खास बात यह है कि विद्यार्थी को अगर पीजी में प्रवेश नहीं लेना है तो वे यूजी ऑनर्स चतुर्थ वर्ष में प्रवेश ले सकता है।

अगर विद्यार्थी चौथे वर्ष में आनर्स करेंगे तो उनके लिए पीजी एक साल का ही होगा। जानकारी के मुताबिक पहले ही वर्ष 28 हजार विद्यार्थियों ने यूजी चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लिया है। यूजी ऑनर्स चतुर्थ वर्ष में 25 अक्टूबर तक प्रवेश होंगे।

पहली बार शुरू किया गया स्नातक में चतुर्थ वर्ष

इस बार पहली बार नई शिक्षा नीति के तहत यूजी चतुर्थ वर्ष शुरू किया गया है। विद्यार्थियों की यूजी की डिग्री करने की अवधि तीन साल से बढ़ाकर चार साल कर दी गई है। ऐसे में अगर विद्यार्थी चाहें तो वे तीन साल में डिग्री पूर्ण कर पीजी में प्रवेश ले सकते हैं, वहीं अगर वे यूजी चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेते हैं तो उन्हें पीजी एक वर्ष का ही करना होगा।

इस बार पीजी की करीब सवा दो लाख सीटों में से सवा लाख सीटों पर प्रवेश हुए हैं। वहीं 28 हजार 400 विद्यार्थियों ने पीजी में प्रवेश नहीं लेकर यूजी के चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लिया है। इसमें विद्यार्थियों ने आनर्स और रिसर्च विद आनर्स में प्रवेश लिए हैं।

ऑफलाइन प्रवेश में भी नहीं मिली सफलता

गौरतलब है कि उच्च शिक्षा विभाग में प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में सीटें भरने के लिए अंतिम चरण की कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) ऑफलाइन पद्धति से चलाई गई थी।

इसमें ज्यादा प्रवेश नहीं हुए हैं। प्रवेश लेने के बाद 15 अक्टूबर तक विद्यार्थी विषय संबंधित अन्य त्रुटियों में संशोधन कर सकते हैं।

समाजसेवी नेमीचंद लुहाड़िया सन्मति स्कूल के चुनाव में उपाध्यक्ष चुने गए

संस्था परिवार मित्र ने अभिनंदन किया

इंदौर। सन्मति स्कूल के कार्यकारिणी चुनाव में समाजसेवी श्री नेमीचंद लुहाड़िया उपाध्यक्ष के पद हेतु चुने गए । इस उपलब्धि पर संस्था परिवार मित्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

श्री मनमोहन झांझरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉक्टर श्री मनोज पाटोदी, श्री दीपक पाटोदी, श्री शांतीलाल बाकलीवाल, श्री आशीष पाटनी, श्री प्रतीक लुहाड़िया, डॉली झांझरी, किरण पाटोदी, चेलना पाटोदी, दीपाली पाटनी, शशि बाकलीवाल, निधि लुहाड़िया, इंदु लुहाड़िया, प्रमिला पांड्या, इंदु कानुगो सहित सभी सदस्य उपस्थित थे। संस्था परिवार मित्र की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सुगनिदेवी पाटोदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि श्री नेमीचंद लुहाड़िया सत्य और निष्ठ के मार्ग पर चलते हुए अपने कार्य को पूरी प्रतिबद्धता से निभाएंगे। श्री नेमीचंद लुहाड़िया ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लेते हैं।

सीताफल आने से बाजार में आई मिठास

शरीर में पानी के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होता है सीताफल

पीथमपुर। बाजार में सीताफल की आवक शुरू हो गई है। इस साल लोगों में अच्छी मांग बनी हुई है। इस साल कम बारिश से उत्पादन बेहतर है।सुबह से ही सीताफल का बाजार शुरू हो जाता है। फिलहाल शुरुआती सीजन होने के कारण आवक कम है, लेकिन मांग अधिक होने से सीताफल के दाम बढ़े हुए हैं।

300 से 400 रुपये प्रति टोकरी पके हुए सीताफल बिक रहा है। वहीं कच्चे सीताफल के दाम कम है। सीताफल शरीर में पानी के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होता है। उल्लेखनीय है कि पिछले एक सप्ताह से सब्जी मंडी से लेकर बाजारों में सीताफल की बिक्री हो रही है। इनकी मिठास दूर से ही सुगंध के रूप में फैल रही है। जैसे ही सीताफल मंडी में आए उसे खरीदने के लिए लोग टूट पड़े और देखते ही देखते इनके भाव आसमान चढ़ गए। दूलना के उमेंद निषाद ने बताया कि वह टोकनी में भरकर सीताफल लाए थे जो डेढ़ सौ से लेकर 300 रुपए किलो तक बिके। विदित हो कि सीताफल के कई फायदे हैं, क्योंकि इसमें मैग्निशियम होता है। यह शरीर में पानी के संतुलन को बनाए रखने में मददगार होता है। दांतों के लिए भी फायदेमंद बताया जाता है, इनके अलावा सीताफल में सोडियम और पोटेशियम होते हैं जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मददगार है। इन दिनों बाजार सीताफल से गुलजार है तथा समय से पहले लोगों को इस फल को चखने का आनंद मिल रहा है।

महापूजा अर्चना की और सिंदुर खेला

इन्दौर ॥(संजय एम तराणेकर) चिडियाघर स्थित बंगाली क्लब में बंगाली समाज द्वारा पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव के अंतिम दिन महिलाओं द्वारा सिंदुर खेला का आयोजन कर मां की महापूजा अर्चना की और धुनूजी नृत्य किया गया।

बंगाली समाज में माताजी की स्थापना और पूजाअर्चना और सिंदूर खेला महिलाओं द्वारा खेला जाता है।

ये सिंदूर खेलना बंगाली समाज की परम्परा है। धुनुची नृत्य को देखने के लिए पूरा बंगाली समाज उमडा। देवी दुर्गा माँ के दरबार में महिला और पुरुषों ने हाथ में जलता हुआ दीया लेकर अदभुत धुनुची नृत्य किया।

बंगाली स्कूल एंड क्लब के वॉइस प्रेसीडेंट रवि शंकर रॉय चौधरी और को - सेक्रेटरी अंबुज दत्ता ने बताया कि शुरुआत बिहित पूजा से हुई।

उसके बाद बलिदान, कुमारी पूजा और पुष्पांजलि हुई। दोपहर में देवी माँ को खीर के प्रसाद का भोग लगाया और सबने भोग ग्रहण किया। शाम को आरती हुई और रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

थाना प्रभारी पहुंचे महाआरती में

इंदौर। रावजी बाजार थाना क्षेत्र के बलाई मोहल्ला मैं स्थित मां मैंहरावाली वाली मंदिर में नवमी के अवसर पर महाआरती आयोजित की गई।

महाआरती के अवसर पर विशेष सज्जा सहित मां की आराधना की गई आरती मैं विशेषरुप से रावजी बाजार थाने के प्रभारी श्री आमोद सिंह राठौर जी ने उपस्थित होकर माता रानी की आरती कर आराधना की इस अवसर पर थाना प्रभारी जी का स्वप्निल तायड़े ने स्वागत किया एव धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर रावजी बाजार थाने के पुलिस गण भक्तजन उपस्थित रहे।

वंदे मातरम शाखा माधव नगर द्वारा पथ संचलन निकाला गया

इंदौर। वंदे मातरम शाखा माधव नगर जिला बद्रीनाथ द्वारा पथ संचलन निकाला गया जिसमे मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध जाने-माने डॉक्टर शरद पंडित मुख्य अतिथि तथा प्रांत के संपर्क टोली के सदस्य सुजीत सिंहल मुख्य वक्ता थे।

वंदे मातरम शाखा के प्रभारी माधव नगर के सामाजिक समरसता संयोजक रवि सिंहल एवं माधव नगर के बौद्धिक सह संयोजक बृजेश सोनी रहे। बस्ती करवाह एलपी सेन, शाखा करवाह संजय शर्मा ,मुख्य शिक्षक मनोज शर्मा है। काशी बस्ती के मुख्य मार्ग से संचलन को निकाला गया, जहां समाज जन द्वारा पुष्प वर्षा कर ध्वज का स्वागत किया गया, संचलन में 127 की संख्या रही।

बुद्ध का धम्म ही शांति और सदभाव लायेगा -सुद्रास

इंदौर। धम्म चक्र प्रवर्तक दिवस पर भीम जन्म भुमि पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया एकतावादी प्रदेश संगठन महामंत्री दिनेश सुद्रास ने कहा कि भारत रत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को हमें समता, समानता, मानवता, बंधुत्व, न्याय, मेत्री, करुणामय, शांति और सद्भावना पर आधारित तथागत भगवान गोतम बुद्ध का धम्म ही भारत में सद्भावना दर्पण स्थापित कर सकता है बस हमें उनका अनुसरण करना चाहिए जिससे हमारे समाज में भी बदलाव आयेगा इस अवसर पर सर्वश्री राजेश वानखेडे सचिव, सुभाष रायपुरे ,अमुल इंगले, दिनेश सोनोने, योगेंद्र गवाहन्डे, चंद्रहास तायड़े, जग्गू नरवाले, सुमित चौहान उपस्थित थे।

बजरंग दल ने किया शस्त्र पूजन

इंदौर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अन्नू गेहलोत बताया की बद्रीनाथ जिले में बजरंग दल ने किया शस्त्र पूजन चंद्रगुप्त प्रखंड में दो जगह कार्यक्रम किए गए वीणा नगर सुखलिया और गंगा विहार कॉलोनी कालिंदी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखण्ड अध्यक्ष नंदकिशोर भूषण पाटील बबलू साहू संजीव वर्मा तुषार मराठा रवि मेवाती कमल कुशवाहा करण जगदाले आनंद चौरसिया प्रेम शंकर मोनू मौर्य पंकज चौहान सुरेश कैथवास मेहरबान सिंह मनोज यादव महेंद्र सिकरवार जितेश राय शर्मिला पावर अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांगता मुक्त दो दिवसीय शिविर 14 और 15 अक्टबार को इन्दौर में

इंदौर। ग्रुप विगत 50 वर्षो से इन्दौर शहर में विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधिया सफलतापूर्वक करता आ रहा है। इसी संदर्भ में हमारे द्वारा दिव्यांगता मुक्त भारत अभियान में परमपूज्य स्वामी श्री चिदानंद सरस्वती महाराज एवं महावीर सेवा सदन कोलकाता के साथ 14-15 अक्टूबर को दो दिवसीय मार्गदर्शन शिविर लगाया जा रहा है, जिसमें दिव्यांग लाभार्थी आकर अपनी जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग का नाप दे सकते है। यह निःशुल्क शिविर सामाजिक न्याय एवं निशक्त जन कल्याण विभाग के सहयोग से जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र डीडीआरसी प्रागण समाज कल्याण परिसर परदेसीपुरा पर निरिक्षण शिविर आयोजीत किया जा रहा है। इसका लाभ जो दिव्यांग लाभार्थी उठाना चाहते हे वह दो दिवसीय शिविर में आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग का नाप दे सकते एवं आगे का मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते है । सामाजिक न्याय विभाग एवं हमारे ग्रुप के द्वारा दिव्यांग लाभार्थी को 14 से 18 नवम्बर को नाप अनुसार निःशुल्क कृत्रिम अंग जरूरतमंदो को वितरित किए जायेगे। कार्यक्रम जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र डीडीआरसी प्रागण समाज कल्याण परिसर परदेसीपुरा पर होगा।

फ्लो स्पॉटलाइट : संस्कृति और सशक्तिकरण का एक अनूठा संगम

इंदौर। अपने 10 वर्षों के महिला सशक्तिकरण उद्देश्य के पूरे होने पर, एक भव्य और विशिष्ट फैशन शो - फ्लो स्पॉटलाइट का आयोजन करने जा रहा है, जो 17 अक्टूबर, 2024 को शेरटन ग्रैंड पैलेस में शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा। वर्ष 2024-25 की चेयरपर्सन, Ar. विभा जैन सेठी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम वर्ष के विषय "GROW with FLO" को दर्शाएगा, जो संगठन के सदस्यों की रचनात्मकता, शिल्पकला, और सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाकर प्रदर्शित करेगा। यह कार्यक्रम फ्लो सदस्यों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें एक महत्वपूर्ण मंच देने का प्रयास है।

इस विशेष फैशन शो में, फ्लो इंदौर कि 60 सदस्य, मॉडल के रूप में रैंप पर अपनी शान, आत्मविश्वास और स्टाइल के साथ चलेंगी। ये मॉडल्स विभिन्न आयु वर्ग और पृष्ठभूमि से होंगी, जो यह दिखाएंगी कि आत्मविश्वास और शैली किसी सीमा में बंधे नहीं होते।

फ्लो समुदाय के 16 डिज़ाइनर, अपने विशिष्ट और रचनात्मक डिज़ाइनों को प्रस्तुत करेंगे। इन डिज़ाइनरों ने अपनी रचनाओं में व्यक्तिगत सौंदर्य और सांस्कृतिक प्रेरणा का सम्मिश्रण किया है। इस मंच के माध्यम से, फ्लो, डिज़ाइनरों को एक व्यापक पहचान और उनके कार्यों को सराहने का अवसर देगा।

5 कुशल फ्लो इंदौर सदस्य, मेकअप आर्टिस्ट के रूप मे अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

इस फैशन शो में पाँच राउंड होंगे, जो विभिन्न थीम और प्रस्तुतियों को दर्शाएंगे। फ्लो इंदौर की पारंपरिक शिल्पों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के तहत, एक राउंड में मध्य प्रदेश के बुनकरों की हैंडलूम रचनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। डिज़ाइनर्स, क्षेत्र की पारंपरिक हैंडलूम से प्रेरित अनोखी कृतियाँ बनाएंगे। इन वस्त्रों में न केवल कारीगरी की सुंदरता झलकेगी, बल्कि यह राउंड इन हस्तकला के संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित करेगा।

इस कार्यक्रम को लेकर, अपना अपार उत्साह व्यक्त करते हुए, फ्लो इंदौर की अध्यक्ष, आर्किटेक्ट विभा जैन सेठी ने कहा,÷फ्लो इंदौर इस विश्वास पर आधारित है कि हर महिला को अपनी प्रतिभा दिखाने का अधिकार है, और यह फ्लो स्पॉट लाइट कार्यक्रम उसी विश्वास का सशक्त प्रमाण है। आइए हम अपनी रचनात्मकता, अपनी संस्कृति और सबसे बढ़कर, अपने आत्मविश्वास का उत्सव मनाएं।

फ्लो इंदौर का यह स्पॉट लाइट कार्यक्रम केवल ग्लैमर और फैशन का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण और रचनात्मकता का समागम है। यह आयोजन उन महिलाओं को एक मंच प्रदान करेगा जो फैशन, कला और शिल्प में अपना भविष्य देखती हैं।

गृह ज्योति योजना के तहत बिजली उपभोक्ताओं को दी 149 करोड़ की सब्सिडी

इंदौर। राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। पिछले एक माह के दौरान मालवा निमाड़ के 15 जिलों के 30 लाख 78 हजार उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिला है। इन्हें 149 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है।

मालवा-निमाड़ के 30.78 लाख उपभोक्ताओं को मिली 1 रूपए यूनिट में बिजली

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इस महत्वपूर्ण योजना के तहत घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट तक दी जाती है। सौ यूनिट से 150 यूनिट तक खपत होने पर 100 यूनिट के बाद प्रचलित दर से बिल तैयार होता है। तीस दिन के अंतराल में 150 यूनिट कुल खपत या प्रतिदिन पांच यूनिट औसत खपत से ज्यादा होने पर उस माह की सब्सिडी प्रदान नहीं की जाती है।

उन्होंने बताया कि पिछले एक माह के दौरान मालवा-निमाड़ में 30 लाख 78 हजार उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित किया गया है। लाभान्वित उपभोक्ताओं के बिल में 560 रूपए तक की अधिकतम सब्सिडी दी गई है।

प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में सर्वाधिक इंदौर जिले में 4.25 लाख उपभोक्ता योजना से लाभान्वित हुए है, इन्हें 18 करोड़ की सब्सिडी दी गई। धार जिले में 3.20 लाख, उज्जैन जिले में 2.80 लाख, खरगोन जिले में 2.70 लाख, रतलाम जिले में 2.32 लाख, मंदसौर जिले में 2.19 लाख, देवास जिले में 2.16 लाख, बड़वानी 2 लाख एवं अन्य जिलों खंडवा, नीमच, शाजापुर, आगर, झाबुआ, बुरहानपुर, आलीराजपुर आदि जिले में में 88 हजार से लेकर 1.95 लाख उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना के अंतर्गत सब्सिडी प्रदान की गई है।

सियागंज में 551 गरबा बालिकाओं को पुरस्कार वितरण

इंदौर। मां मंशा देवी भगवती कृपा ग्रुप द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सियागंज रामप्याउ चौराहे पर 551 गरबा बालिकाओं को पुरस्कार वितरण, भजन संध्या ,कन्या भोज का आयोजन रखा गया है।

जानकारी देते हुए मां मंशा देवी भगवती कृपा ग्रुप अध्यक्ष कैलाश चंद्र श्रीवास्तव, गोविंद राठौर ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर 16 अक्टूबर बुधवार शाम 7-00 बजे मां मंशा देवी मंदिर परिसर सियागंज रामप्याऊ चौराहे पर भजन संध्या का आयोजन होगा।

नेक्सस इंदौर सेंट्रल और ट्रैज़र आईलैंड में आरंभ हो चुकी है जगमगाती दीपावली

इंदौर। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स को पहचाना जाता है अपने ग्राहकों के लिए विशिष्ट अनुभव रचने के लिए। और अब त्योहारों के इस मौसम में ट्रैज़र आईलैंड और नेक्सस इंदौर सेंट्रल आकर्षक सजावट, रोमांचक गतिविधियों और बेमिसाल शॉपिंग रिवार्ड्स के साथ अपने आगंतुकों का स्वागत करने को तैयार हैं। दोनों ही मॉल्स में 10 अक्टूबर से दीपावली की जगमग शुरु हो चुकी है और यहां सभी के लिए कुछ न कुछ मौजूद है।

ट्रैज़र आईलैंड इंदौर में आप चमत्कृत कर देने वाली शंख थीम की सजावट का आनंद ले सकते हैं, यहां आपको दिखेंगी शानदार रोशनियां और फेस्टिव डिस्प्ले, जो सैल्फी लेने के लिए एकदम मुफीद हैं। 18 अक्टूबर को यहां दिये बनाने की वर्कशॉप भी होगी जो आपके सृजनात्मक पहलू को अभिव्यक्ति देने में सहायक होगी। इस सब के अलावा भी यहां बहुत कुछ होगा क्योंकि दोनों मॉल्स में खरीददारी और जीतने के लिए कई शानदार डील्स उपलब्ध होंगी।

नेक्सस ट्रैज़र आईलैंडःलकी ड्रॉः 10 अक्टूबर से 3 नवम्बर के बीच रु. 20,000 की खरीददारी कीजिए और आप घर ले जा सकते हैं नई टाटा टिएगो!शॉप एंड विनः रु. 10,000 या अधिक खर्च कीजिए और आप पाएंगे एक सुनिश्चित ईनाम! नेक्सस इंदौर सेंट्रलःशॉप एंड विनः रु. 7,000 या अधिक की खरीददारी करें और जीतें सुनिश्चित ईनाम

इंदौर स्थित मिलेनियम बेबीकेर्स ने भारत वैल्यू फंड से 1220 मिलियन की निजी प्लेसमेंट राउंड में फंडिंग जुटाई

इंदौर। मध्य प्रदेश स्थित मिलेनियम ने INR 1220 मिलियन की निजी प्लेसमेंट राउंड को सफलतापूर्वक पूरा करने की पुष्टि की है। मिलेनियम बेबीकेर्स की स्थापना 2015 में हुई थी और यह बेबी केयर, फेम-केयर और एडल्ट केयर उत्पादों में विशेषज्ञता रखने वाली प्रमुख कंपनी है।

कंपनी अपने बेबी डायपर बमटम, एडल्ट इनकंटिनेंस उत्पाद एलडुरो, और फेम-केयर उत्पाद फ्रीमी ब्रांड के तहत कई चैनलों के माध्यम से उत्पाद बेचती है। भारत वैल्यू फंड एक वैकल्पिक निवेश फंड है, जिसे पैंटोमैथ कैपिटल द्वारा प्रबंधित किया जाता है और यह भारत में तेजी से बढ़ते व्यवसायों में निवेश करने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह फंड भारत में नवाचार और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में जापानी तकनीक वाली उत्पादन लाइनों की शुरुआत करने वाली यह पहली घरेलू कंपनी है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले प्रीमियम उत्पादों का निर्माण भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए किया जाता है। मिलेनियम के संस्थापक, श्री रामप्रकाश बेरिया ने इस इक्विटी फंडिंग पर टिप्पणी करते हुए कहा, भारत वैल्यू फंड से INR 1220 मिलियन की यह फंडिंग हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्था स्प्रेडिंग स्माइल्स ने किया 251 कन्याओं का पाद पूजन व कन्या भोज

इंदौर । संस्था स्प्रेडिंग स्माइल्स के तत्वावधान में कन्या भोज का आयोजन शहर के पंचम की फेल में किया गया। संस्था प्रमुख राहुल लोदवाल ने बताया की कार्यक्रम की थीम 'साथ है हम' रखी गई थी जिसमे इसमें 251 कन्याओं पाद पूजन व कन्या पूजन कर सभी के लिए महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया।

संस्था प्रमुख राहुल लोदवाल ने बताया की कार्यक्रम की थीम साथ है हम श्रमिक बस्तियों की बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व शशक्तिकरण जैसे विषयों पर जागरूक कर उन्हें आगे बढ़ाने के प्रयास की रखी गई है जिसमें यदि उन्हें किसी भी विषय से संबंधित सहयोग चाहिए तो संस्था सम्पूर्ण रूप से उनका सहयोग करेगी जिससे की उन्हें शशक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम में 251 कन्याओं का चरण पखार कर व मंगल तिलक कर संस्था द्वारा उपहार स्वरूप शिक्षा से संबंधित वस्तु दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ एमआईसी सदस्य व वार्ड 47 के पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया, राष्ट्रीय खिलाड़ी कांतिलाल लोदवाल व साइकिलिस्ट कैलाश चौधरी के द्वारा कन्याओं का चरण धोकर, मंगल तिलक के बाद पूजन-अर्चन कर किया गया।

इस अवसर पर संदीप महियार, पंकज बेनवाल, सौरभ जाधव, नीरज संकट, चेतन मावर, नयन काकने, शुभम सोनवाने, पंकज पारले, मोहित जाटवा, हितेन्द्र मुराडे, निहाल संकट उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम का संचालन रोहित वर्मा ने किया आभार शुभम चंदेरिया ने माना।

टीजीएल गरबा 2024 का भव्यतिभाव्य समापन समारोह

इंदौर। मध्य भारत के सबसे बड़े फ्री स्टाइल फैमिली गरबा का आयोजन, टीजीएल गरबा 2024, आज अपने भव्य समापन समारोह के साथ समाप्त हो रहा है। 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक चले इस महोत्सव ने गरबा प्रेमियों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस आयोजन को तीर्थगोपिकॉन लिमिटेड ने प्रस्तुत किया।

एसबीआई ने प्रायोजित किया, आहलर्थ होम्स द्वारा पावर्ड किया गया और प्रिज्म इकोएनर्जिया के सहयोग से इसे आयोजित किया गया।

प्रतिदिन 10,000 से अधिक लोगों ने इस गरबा में भाग लिया और इसका आनंद लिया। कार्यक्रम की आध्यात्मिक महत्ता को और बढ़ाते हुए, 11 महाराज द्वारा भव्य महा आरती का आयोजन भी किया गया, जिसने इस आयोजन को और भी दिव्यता प्रदान की। इस वर्ष टीजीएल ने 20 फिट चौड़ाई और 26 फिट ऊँचाई की आध्यात्मिक गरबी (पॉट) के लिए विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया, जो आयोजन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

आयोजन में कई प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। झानवी श्रीमंकर के मधुर गीतों से लेकर अरविंद वेगड़ा की जोशीली धुनों तक, मीत जैन, ललित्या मुनशॉ, खुशबू पंचाल, अघोरी म्यूजिक और यश बारोट की अद्भुत परफॉर्मेंस ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए कई प्रसिद्ध हस्तियों ने भी शिरकत की। टीवी जगत के लोकप्रिय कलाकार दिलीप जोशी और मयूर वकानी ने अपनी उपस्थिति से दर्शकों का दिल जीत लिया। बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री और प्रसिद्ध गायिका मैथिली ठाकुर की मौजूदगी ने इस गरबा महोत्सव को और भी खास बना दिया।

कार्यक्रम में इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सांसद श्री शंकर लालवानी और एसबीआई के डीजीएम श्री सतीश गुप्ता ने विशेष रूप से उपस्थित होकर इस आयोजन को अपना समर्थन दिया। इसके अलावा, राज्य प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री प्रवीण शरिवालजी और सचिव श्री रवि चावला ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे एक बड़ी सफलता करार दिया।

आज इस विशेष अवसर पर, टीजीएल गरबा के आयोजक श्री मयूर कुम्भानीजी ने अपने परिवार और टीजीएल टीम की उपस्थिति में अपनी मां द्वारा बनाई गई खीर से अपना व्रत तोड़ा, जो आयोजन के लिए एक भावनात्मक क्षण रहा।

बात चीत के दौरान आयोजक श्री मयूर कुम्भानीजी ने बताया कि टीजीएल गरबा 2024 ने न केवल सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को संरक्षित किया, बल्कि एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां परिवारों ने एक साथ मिलकर गरबा का आनंद लिया।

यह आयोजन आने वाले समय में एक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा।

स्टोरी राइटर अमित गुप्ता के साथ धोखा

राजकुमार राव एवं तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही विवाद में पड़ गई है। इस फिल्म की कहानी लिखने का क्रेडिट अमित गुप्ता को नहीं मिला है। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से निर्माताओं को कानूनी नोटिस भी भेजा था, लेकिन उन्हें केवल तसल्ली दी गई और न उन्हें नाम मिला न दाम। अमित गुप्ता ने में कहा कि लेखक सिर्फ नाम के लिए काम करता है। हम राइटर दिल से खुश रहते हैं कि अपना नाम होता है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति इतनी बेहतर नहीं होती। रोज़ कुआं खोदो और रोज़ पानी पियो वाली कहावत हम पर चरितार्थ होती है। मैं अपने हक की लड़ाई लड़ रहा हूँ। मैं काफी निराश और परेशान हो गया हूँ और मेरी स्थिति यह हो गई है कि मन करता है कि टी सीरीज़ की ऑफिस के सामने जा कर आत्महत्या कर लूं।

बजरंग बली का पंचमुखी अवतार

9ग्राफिक इंडिया के शरद देवराजन और जीवन जे. कांग द्वारा निर्मित द लेजेंड ऑफ हनुमान के नये सीजन में मुख्यी चरित्रों को शरद केलकर और दामन सिंह बग्गान ने अपनी आवाज दी है। उनके साथ दूसरे कलाकार भी हैं और द लेंजेंड ऑफ हनुमान का नया सीजन 25 अक्टूखबर, से घमासान युद्ध दिखाएगा9नये सीजन के रचनाकार तथा कार्यकारी निर्माता शरद देवराजन ने कहा, ''द लेजेंड ऑफ हनुमान ने हमेशा भारतीय एनिमेशन और स्टोसरीटेलिंग की सीमाओं को चुनौती दी है। सीजन 5 में हम इसे और भी नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं, क्योंपकि इस बार हनुमान अपने पंचमुखी अवतार में होगे। इस बार उनकी असीम शक्ति एवं बुद्धि को देखने का अवसर मिलेगा। इस सीजन में हमारे चहेते किरदार ज्यासदा आध्यापत्मिक और भावुक दिखाई पड़ेंगे और यह आत्मिक शक्ति, भक्ति तथा आशा की कायाकल्प कर देने वाली ताकत जैसे थीम दिखाएगा।

ज़माना गधा है

रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल' अपने 15वें सीज़न ऑडिशन में असाधारण प्रतियोगी हैं दिल्ली की 23 वर्षीय सलोनी साज़, जो अनूठी आवाज़, व्यक्तित्व और आभा की धनी हैं। फिल्म 'धन धना धन गोल' के गाने बिल्लो रानी पर सलोनी के परफ़ॉर्मेंस ने उनकी खास और हस्की आवाज़ की ओर जजों का ध्यान आकर्षित किया।सलोनी ने यह भी बताया कि कई लोग उनकी आवाज़ को मर्दाना कहकर आलोचना करते हैं। यहां तक कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी आमतौर पर नकारात्मक कमेंट ही मिलते हैं। इस पर गुस्साए विशाल ने कहा, ज़माना गधा है। कुछ लोग आपको कभी नहीं समझ पाएंगे लेकिन संगीत जगत में काम करने वाले लोग, जो इसे समझ सकते हैं, वे हमेशा आपकी आवाज़ की तारीफ करेंगे ।

टीन लव ड्रामा गुटर गु सीजन 2

गुटर गु सीजन 2 अब लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह फैन-फेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस, सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है, जिसमें विशेश बंसल और अशलेशा ठाकुर अपने अनूज और ऋतु के किरदारों को फिर से निभा रहे हैं। नए सीजन में अनूज और ऋतु के जीवन के कुछ सुखद पहलू और कुछ दुखद पहलू दिखाए गए हैं, क्योंकि वे भोपाल से अहमदाबाद के लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को निभाने की कोशिश करते हैं। यह सीरीज उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जहाँ वे अपने करियर को बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही एक-दूसरे से जुड़े रहने की जद्दोजहद भी कर रहे हैं। जैसे-जैसे वे प्यार, बिछड़ने और तड़प से गुजरते हैं, यह दूरी उनके रिश्ते की परीक्षा लेती है, जिससे गलतफहमियाँ और दिल टूटने के पल आते हैं।

टूर डी रॉयल का नया सीजन महलों और किलों के जादुई आकर्षण को उजागर करेगा

हिस्ट्री टीवी18 की आकर्षक सीरीज़ टूर डी रॉयल एक नए सीज़न के साथ लौट आया है, जो भारत के महलों, हेरिटेज होटलों और किलों की शानदार दुनिया दर्शकों को एक असाधारण यात्रा पर ले जाने का इंतज़ार कर रही है 7 करिश्माई जादूगर, नील माधव द्वारा होस्ट की गई, यह 10-भाग की सीरीज़ इतिहास और जादू को अनोखे ढंग से जोड़ती है, जो दर्शकों को प्राचीन साम्राज्यों की समृद्ध विरासत और संस्कृति तक वो पहुँच प्रदान करती है जैसी पहले कभी नहीं देखी गई थी, और दर्शकों को शाही परिवारों के सदस्यों के साथ इन आश्चर्यजनक जगहों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करती है। टूर डी रॉयल इन प्रतिष्ठित परिवारों की समृद्धि और प्रभाव की एक करीबी झलक दिखाती है। दूसरा सीज़न हमें बड़ौदा, गोंडल, मूली, महेश्वर, ढेंकनाल, कालाहांडी, जोधपुर, बूंदी, नवलगढ़ और भोपाल के महलों और किलों में ले जाता है। प्रत्येक स्थान दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा जब वे इसे जादू के चश्मे से देखेंगे। मोटी किलों की दीवारों के भीतर और सोने से सुसज्जित दरवाजों के पीछे छिपी कहानियां जीवंत हो उठती हैं। नील इन स्मारकों के जगमग अतीत की खोज करते हैं - कैसे एक महान किला कभी अपने ग्रामीण लोगों का रक्षक था, कैसे महलों को शक्ति और प्रतिष्ठा के प्रतीक के रूप में बनाया गया था, और कैसे शाही आतिथ्य और देखभाल आज भी जारी है जब मेहमानों का इन जगहों पर स्वागत किया जाता है जिन्हें हेरिटेज होटलों में बदल दिया गया है।

श्रीदेवी और रेखा के रिश्ते पर जाह्नवी कपूर बोलीं

रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही अपनी एक्टिंग से देश भर के लोगों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी कपूर ने रेखा और श्रीदेवी के रिश्ते के बारे में बात की। साथ ही बताया कि श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा ही उन्हें सलाह देती हैं। हाल ही में फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मां ने जब पहली बार हिंदी फिल्मों में कदम रखा था। उस समय वो खुद को बड़ा ही खोया हुआ महसूस करती थीं। ऐसे में रेखा ने उनकी मदद की। उनका रिश्ता बेहद खास रहा। दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं, ताकि बच्चे उनकी बातों को ना समझें।' जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मेरे जन्म के बाद मां परिवार पर ध्यान देने लगीं और फिल्मी दुनिया से कुछ वक्त के लिए दूरी बना ली थी। उस दौरान उन दोनों का कोई कॉन्टैक्ट नहीं रहा। लेकिन जब रेखा जी मेरे घर लंच पर आईं, तब मैं लगभग 14 साल की थी। मैंने उनका स्वागत किया, और उन्होंने मुझे कहा कि मुझे उन्हें पेद्दाम्मा कहना चाहिए। तेलुगु में इसका मतलब बड़ी मां है।'

उर्वशी ने चुरा ली लाइमलाइट

जिस क्षण उर्वशी रौतेला ने डिजाइनर दीना मेलवानी कॉउचर द्वारा एक सुंदर और मंत्रमुग्ध कर देने वाले हीरे से भरे शानदार आउटफिट में 20.3 लाख रुपये की शानदार एंट्री की और एक बार फिर, उन्होंने सबसे हॉट और सबसे वांछनीय दिवा के रूप में अपनी श्रेष्ठता साबित की। उसके सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ उसकी उत्साही मुस्कान उसे पूर्ण बनाती है। काले और चांदी का संयोजन उस पर घातक दिखता है।

रुपेश प्लेबैक सिंगर बन गए

सारेगामापा के कंटेस्टेंट रुपेश मिश्रा ने एक बड़ी सफलता हासिल कर ली है। वे राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में 'चुम्मा' गाने के प्लेबैक सिंगर बन गए हैं। हालांकि रुपेश को मिला यह बेमिसाल मौका उन लोगों के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं, जिन्होंने इस शो में रुपेश के सफर को देखा है, जहां उनके टैलेंट, कड़ी मेहनत और लगन ने हमेशा शो के मेंटर सचिन और जिगर से बेशुमार तारीफें हासिल की हैं। इस फिल्म के म्यूज़िक डायरेक्टर्स के तौर पर सचिन और जिगर ने रुपेश को अपना यह ताजातरीन ट्रैक गाने का सुनहरा मौका देकर उनके टैलेंट और उनकी लगन को एक नई पहचान दी है।

आर माधवन हिंदी सिनेमा के मोस्ट इंफ्लूएन्शल फादर बने

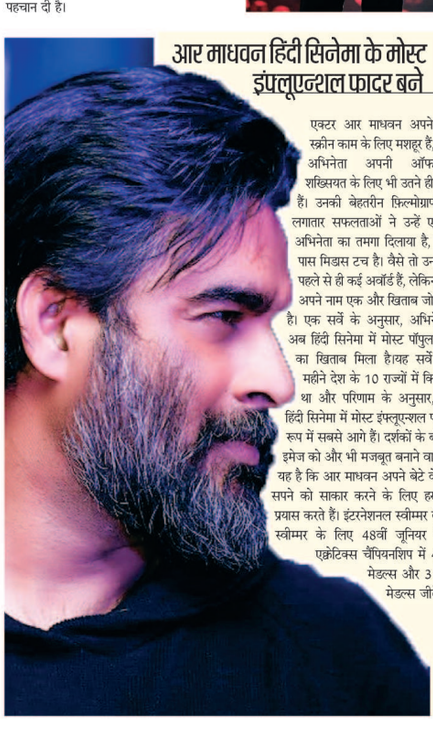

एक्टर आर माधवन अपने ऑन-स्क्रीन काम के लिए मशहूर हैं, लेकिन अभिनेता अपनी ऑफ-स्क्रीन शख्सियत के लिए भी उतने ही पॉपुलर हैं। उनकी बेहतरीन फ़िल्मोग्राफी और लगातार सफलताओं ने उन्हें एक ऐसे अभिनेता का तमगा दिलाया है, जिसके पास मिडास टच है। वैसे तो उनके नाम पहले से ही कई अवॉर्ड हैं, लेकिन उन्होंने अपने नाम एक और खिताब जोड़ लिया है। एक सर्वे के अनुसार, अभिनेता को अब हिंदी सिनेमा में मोस्ट पॉपुलर फादर का खिताब मिला है।यह सर्वे पिछले महीने देश के 10 राज्यों में किया गया था और परिणाम के अनुसार, एक्टर हिंदी सिनेमा में मोस्ट इंफ्लूएन्शल फादर के रूप में सबसे आगे हैं। दर्शकों के बीच इस इमेज को और भी मजबूत बनाने वाली बात यह है कि आर माधवन अपने बेटे वेदांत के सपने को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। इंटरनेशनल स्वीम्मर वेदांत ने स्वीम्मर के लिए 48वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में 4 गोल्ड मेडल्स और 3 सिल्वर मेडल्स जीते।

शाहरुख की सच्ची प्रशंसक हैं निकिता

शाहरुख खान के लिए निकिता दत्ता का प्यार कोई सीमा नहीं है। बार-बार, प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने शाहरुख खान के लिए अपने प्यार का इजहार किया है और हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के एक ट्रैक पर थिरकती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अजरबैजान के बाकू में अपने समय का आनंद ले रही थी, जब वह एक दुकान पर गई जहां दुकानदार ने मेहंदी लगा कर रखना गाना बजाया। शाहरुख खान की कट्टर प्रशंसक अभिनेत्री दुकान पर खड़ी हो गई और नाचने लगी. अभिनेत्री ने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और इसे कैप्शन दिया, ÷एक सार्वभौमिक प्रेम भाषा है। इसे ञ्चद्बड्डद्बह्यह्ल्ल कहा जाता है। यह बाकू में एक बाकलावा की दुकान है! इस आदमी के पास उसके गानों से भरी पूरी प्लेलिस्ट थी।÷

बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन करेगा खेल विभाग : मंत्री

प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश, भोपाल सहित मध्यप्रदेश को मिलेगी बड़ी सौगात

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश ने सोमवार को बीएचईएल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बीएचईएल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स का संचालन खेल विभाग के माध्यम से हो, इसकी प्राथमिक रूप रेखा तैयार की गई है। इसके लिये केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय को प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिये गये हैं।

कॉम्प्लेक्स में लगभग सभी गेम्स

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, गोल्फ, बालीवॉल, बास्केटबॉल, टेनिस टेबल टेनिस, हॉकी, एथलेटिक्स, कब्बड़ी सहित लगभग सभी खेल हैं। कॉम्प्लेक्स और खेल सुविधाओं के उन्नयन से इसको और बेहतर बनाया जायेगा। यह शहर के बीचों बीच मध्यप्रदेश सहित भोपाल के रहवासियों और खेल प्रेमियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इससे बीएचईएल टॉउनशिप के लोगों को तो फायदा मिलेगा ही साथ ही भोपाल के नागरिकों को भी इसका लाभ मिलेगा।

क्रिकेट मैदान के मापदण्ड पूरे

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि क्रिकेट स्टेडियम का उन्नयन बीएचईएल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा, तो क्रिकेट प्रतिभाओं को इसका लाभ मिलेगा। क्रिकेट के लिये मैदान के मापदण्ड पूरे हैं, बाकी स्टैण्ड आदि सुविधाओं का विस्तार करने के लिये फण्ड की व्यवस्था की जायेगी।

सोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उन्नयन

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन बीएचईएल के साथ खेल विभाग मिलकर करेगा। इससे कम खर्च में उन्नयन होगा और लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स खेल विभाग के अंतर्गत आ जाये, इसका प्रस्ताव भेजा जा रहा है। इसके लिये सभी अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया है।

अच्छा खेल परिसर बने, यही प्रयास

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि लगभग पौने 200 एकड़ जमीन पर यह कॉम्प्लेक्स बना है, इसके रख-रखाव का अभाव है। गोल्फ के लिये भी 33 एकड़ स्थान है। प्राथमिक रूप से लोकल मैनेजमेंट ने इसकी सहमति दी है। इसे जल्द ही खेल विभाग के अंतर्गत लाकर एक अच्छा खेल परिसर बनाया जायेगा, यही प्रयास है।

राग दरबारी

हमारे पास ई वी एम है

चुनाव को लोकतंत्र का पर्व कहा जाता है । वैसे कुछ सजायाफ्ता अपराधियों के लिए भी चुनाव एक पर्व है । उन्हें इसके बहाने कुछ महीनों की आज़ादी मिल जाती है । एक देश एक चुनाव के बाद वे क्या करेंगे, पता नहीं ! युद्ध और चुनाव में बहुत कुछ नाजायज होने लगा है ।

चौदह सौ की हत्या के जवाब में चालीस हजार की हत्या को जायज ठहराया जा रहा है । चुनाव भी एक तरह की लड़ाई ही है जिसमें नेता जीतते हैं और जनता हारती है । जनता को आपस में लड़वाने से चुनावी लड़ाई आसान हो जाती है । किसको किससे लड़वाना है - चॉइस इस यूवर्स । वैसे अमूमन नेता यह बात भली भांति जानते हैं। जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं और जीतकर हारने वाले को कमल दास नहीं कमलनाथ कहते हैं । दो राज्यों के ताजा चुनाव के बाद जीतते जीतते हारने वाले और हारते हारते जीतने वाले दो मित्रों की बातचीत -

पहला - आपको बधाई , पर जीते हम हैं क्योंकि हमें आपके लगभग बराबर वोट मिले हैं । दूसरा - वह कैसे ? पहला- हमारा वोट प्रतिशत आपके आसपास ही है ।

दूसरा - सरकारें वोट प्रतिशत से नहीं विधानसभा सीटों के आधार पर बनती हैं । वैसे आपके अधेड़ युवा नेता ने जलेबी खाकर धुआंधार प्रचार किया था । उन्हें लगता था कि वे जरूर जीतेंगे और जीत का श्रेय उन्हें ही मिलेगा । पहला - आप लोग अपनी हार को लेकर आशंकित थे इसीलिए आपके नेता ने कम रैलियां की और एक भी रोड शो नहीं किया । हारने पर स्पेशल गैस से बने पकोड़े खाकर आपके अध्यक्ष जी हाजिर हो जाते।

दूसरा - हमारे पास लोकप्रिय जननायक है जिनके रहते सब कुछ मुमकिन है । आपके पास क्या है ?

पहला - हमारे पास अग्निवीर , जाट, किसान और पहलवान है ।

दूसरा (हंसकर)- अधेड़ युवा नेता भी तो हैं । वैसे अग्निवीर योजना में क्या बुराई है ?

पहला - केवल यही कि 75 बरस का बूढ़ा 22 बरस के जवान को रिटायर करेगा । दूसरा - हम अग्निवीर योजना और प्रधानमंत्री अप्रेंटिस योजना द्वारा देश को बेरोजगारी और आपकी पार्टी से मुक्ति दिलाएंगे ।पहला - आप क्या खाक मुक्ति दिलाएंगे । आपके यहां आधे से ज्यादा हमारे दल के लोग ही हैं । दूसरा - हम विषय से भटक रहे हैं । बताइए क्या मुद्दे हैं आपके पास ?

पहला - हमारे पास गरीबी ,महंगाई, बेरोजगारी , जी एस टी, पेट्रोल डीजल रसोई गैस की बढ़ती कीमतें ,जाति जनगणना ,नोटबंदी तालाबंदी, इलेक्टोरल बांड आदि हैं । आपके पास क्या है ? दूसरा - आप जीतते जीतते हार जाते हैं । हमारे पास हारते हारते जीतने का कौशल है ।

पहला - जी नहीं । आपके पास ई वी एम है ।

दूसरा - ई वी एम हैक नहीं हो सकता ।

पहला - जब पेजर और वाकी टाकी हैक हो सकता है तो ई वी एम क्यों नहीं ? दूसरा (हंसकर)- क्या आपको मालूम है कि अब पेजर और वाकी टॉकी बनाने वाली कंपनियों ने इनके निर्माण का ठेका ई वी एम बनाने वाली कंपनी को दे दिया है । दोनों मित्र दिल खोलकर हंसते हैं ।

राजशेखर चौबे
295/ रोहिणी पुरम रायपुर
फोन 9425596643

भाजपा के गले में फांस की तरह वनमंत्री रावत

इंदौर। मध्य प्रदेश के वन मंत्री रामनिवास रावत कांग्रेस की सीट पर विधायक चुने गए थे। लोकसभा चुनाव के पहले उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली थी। कई महीनो बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया,जब उन्हें वन मंत्री बना दिया गया। मध्य प्रदेश की श्योपुर जिले की विजयपुर सीट पर विधानसभा का उपचुनाव होने वाला है। यह सीट तगड़े मुकाबले में फंस गई है।

इस उपचुनाव को जीतने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने, विधानसभा क्षेत्र के लिए 500 करोड रुपए से ज्यादा की विकास योजनाओं की स्वीकृति दी है। रामनिवास रावत को जिताना, भाजपा के लिए मजबूरी बन गई है। यदि इस सीट से रामनिवास रावत चुनाव हार गए, तो भाजपा और मध्य प्रदेश संगठन के बड़े नेताओं की साख पर विपरीत असर पड़ेगा। पूरी सरकार रामनिवास रावत को विधानसभा का चुनाव जिताने की रणनीति पर काम कर रही है।

रामनिवास रावत इस मामले में भाग्यवान है। उन्हें मंत्री भी बना दिया गया क्षेत्र के विकास के लिए 500 करोड रुपए की योजनायें भी सरकार ने स्वीकृत कर दी। यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस के प्रभाव का माना जाता है।

कटाक्ष

सफलता-1

जो नेता जितना अधिक
सफेद झूठ बोलने की
कसमें खाता है
सच पूछे तो वही
सफलता पाता है

सफलता-2

वे आदमी ही आजकल
सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं
जो दूसरों को देकर धक्का
आगे बढ़ते हैं

दुश्मन

संसद में परस्पर लड़ते हैं
एक दूसरे पर
खूब कीचड़ उछालते हैं
पक्के दुश्मन समझते हैं
मगर संसद से बाहर
जब भी वे आते हैं
एक ही थाली में
खाना खाते हैं

स्वयं जला लेना

आदमी अपने भीतर छिपे
रावण को
स्वयं जला लेता है
वह स्वतः अपनी ही
बुराईयों पर
विजय पा लेता है

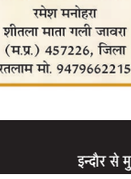

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा
(म.प्र.) 457226, जिला
रतलाम मो. 9479662215

यूपी विस उपचुनाव

10 में से 9 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी भाजपा, एक सीट नए सहयोगी को देगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए सभी दल अपनी तैयारी कर रहे हैं। भाजपा ने तय किया है कि 9 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और एक सीट किसी सहयोगी को देगी। इस आशयक निर्णय बीती रात भाजपा हाईलेवल की बैठक में हुआ है। बैठक में प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बन गई है, और केंद्रीय नेतृत्व ने 9 सीटों पर खुद चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही इन सीटों पर नए चेहरों को उतारने की संभावना जताई जा रही है, विशेष रूप से जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए।

मीरापुर सीट को रालोद (राष्ट्रीय लोक दल) को देने पर सहमति बनी है, क्योंकि 2022 में यह सीट रालोद ने जीती थी। बाकी 9 सीटों पर भाजपा अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेगी। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद ही प्रत्याशियों की सूची सार्वजनिक की जाएगी। 20 अक्टूबर तक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर यह बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में सभी सीटों पर गहन चर्चा की गई और प्रत्याशियों के पैनल पर विचार किया गया। कुछ सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए गए हैं, जबकि कटेहरी, मझवां, फूलपुर और मिल्कीपुर सीटों पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। भाजपा ने इन सीटों के जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए पिछड़े नेताओं को मौका देने की योजना बनाई है।

बैठक के दौरान यूपी के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व को अब तक की चुनावी तैयारियों की जानकारी दी, जिसमें प्रचार, संपर्क और संवाद के कार्यक्रमों का विवरण शामिल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सभी सीटों पर किए गए विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास का भी उल्लेख किया गया। केंद्रीय नेतृत्व को 8-9 सीटें जीतने का भरोसा दिया गया है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई, खासकर सपा के कब्जे वाली सीटों पर अधिक प्रभावी तरीके से काम करने पर सहमति बनी।

कटेहरी और मझवां सीटों पर संजय निषाद की दावेदारी को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई, और उन्हें मनाने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और दोनों उप मुख्यमंत्रियों को सौंपी गई है।

केजरीवाल ने भाजपा पर कसा तंज कहा- उमर को आधा राज्य चलाने में दिक्कत हो तो मुझसे ले लेना सलाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधानसभा चुनाव जीतने पर बधाई दी और भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर जैसे 'आधे राज्य' को चलाने में कोई समस्या आती है तो वह (उमर) उनसे सलाह ले सकते हैं। केजरीवाल आम आदमी पार्टी के मेहराज मलिक को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आप का पहला सदस्य चुने जाने पर लोगों को धन्यवाद देने के लिए डोडा में थे।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'दिल्ली को आधा राज्य इसलिए कहा जाता है कि मुख्यमंत्री के पास सीमित शक्तियां होती हैं। अब उन्होंने (भाजपा) जम्मू-कश्मीर को भी आधा राज्य बना दिया है, जिसका मतलब है कि निर्वाचित सरकार के पास न्यूनतम शक्तियां हैं, जबकि उपराज्यपाल के पास अधिक शक्तियां हैं।' केजरीवाल ने कहा, 'मैं उमर से कहना चाहता हूं कि अगर उन्हें अपने काम में कोई कठिनाई आती है, तो मुझसे सलाह ले सकते हैं, क्योंकि मैंने दिल्ली में 10 साल तक सरकार चलाई है। केजरीवाल ने कहा, 'उमर अब्दुल्ला अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री का पदभार संभालेंगे। मलिक ने डोडा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के गजेंद्र सिंह राणा को 4,538 मतों से हराया। मलिक ने इस सीट पर पूर्व मंत्रियों नेशनल कॉन्फ्रेंस के खालिद नजीब सुहरावर्दी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अब्दुल मजीद वानी को भी शिकस्त दी।

मलिक जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए जीत दर्ज करने वाले आप के पहले सदस्य बन गए। केजरीवाल ने कहा, 'आप औपचारिक रूप से उमर के नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन कर रही है और मुझे उम्मीद है कि उनकी सरकार मेहराज मलिक को जिम्मेदारी देगी ताकि वह न केवल डोडा के लिए काम कर सकें बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी सेवाएं भी दे सकें।' आप नेता ने कहा कि मलिक ने धर्म के नाम पर जीत हासिल नहीं की है, बल्कि उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसे बुनियादी मुद्दों को उठाया है। उन्होंने कहा, 'आम आदमी पार्टी डोडा और जम्मू-कश्मीर का विकास चाहती है...हम सांसद, विधायक, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हैं, बल्कि हम व्यवस्था के खिलाफ लंबे संघर्ष में हैं और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए देश में एक अलग तरह की राजनीति शुरू करना चाहते हैं।'

ई वी एम संदिग्धता या इलाही ये माजरा क्या है?

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किये गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मज़े की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन,अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है।

इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस कवायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हज़ार से भी कम है।

आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्जिट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेज़ी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेज़ी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह ज़ाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर खेला कर दिया गया ? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व ज़रूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली।

जबकि एक्ज़िट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से बिदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं अनेक सरकारी एजेंसीज़ ने भी यही फ़ीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया

है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 त्न तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्रायः ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70त्न के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्रायः कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है।

सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि %राजा की आत्मा ईवीएम में है% , उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फ़ारूक़ अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फ़ारूक़ अब्दुल्ला की नेशनल कॉंफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों ? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी ? और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही ग़लत बताते हैं फिर आख़िर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया ? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया ? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता,तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम से चुनाव नहीं चाहता तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये। क्योंकि सच तो यह है कि ई वी एम पर शुरुआती संदेह की ऊँगली तो भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा ही उठाई गयी थी। वैसे भी इसकी संदिग्धता को लेकर इसलिये भी सवाल उठते रहते हैं कि आख़िर दुनिया के अनेक आधुनिक देशों ने इसका प्रचलन अपने देशों में क्यों बंद कर दिया ? और आधुनिक होने के बावजूद ऐसे देशों में आज भी चुनाव बैलट पेपर द्वारा ही क्यों कराये जाते हैं ? ई वी एम की संदिग्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट,पारदर्शी व सर्वस्वीकार्य होनी चाहिये। बेईमानी पर आधारित लोकतंत्र वास्तविक लोकतंत्र का परिचायक नहीं हो सकता।

तनवीर जाफ़री
संपर्क 9896219228

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com